रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

मंगलवार

02 जून -2026

वर्ष 10, अंक 268

पेज 8, मूल्य 2 रुपए

रांची

पेज-8

एमपी में शुरू हो गया तबादलों का दौर

- 15 जून तक होंगे आदेश, पीएचक्यू के निर्देश पर जिलों में एसआई के हो रहे ट्रांसफर

भोपाल। प्रदेश में सोमवार से तबादलों का दौर शुरू हो गया है। 15 जून तक सभी विभाग अपने यहां स्वैच्छिक और प्रशासनिक आधार पर अधिकारी, कर्मचारी के तबादले कर सकेंगे।

उधर पीएचक्यू द्वारा 5 जून तक आरक्षक से एसआई तक के तबादले करने के निर्देश के बाद जिलों में एसपी और पुलिस आयुक्तों ने बदलाव शुरू कर दिया है। दूसरी ओर शिक्षा विभाग समेत कई अन्य विभागों ने एक जून तक जिलों में पदस्थ अफसरों के पूरी डिटेल मांगी है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने संविदा पर पदस्थ कर्मचारी अधिकारी से दो जून तक ऑनलाइन आवेदन करने को कहा है। मोहन कैबिनेट ने 20 मई की बैठक में तबादला नीति को मंजूरी दी थी। इसके बाद सामान्य प्रशासन विभाग ने 22 मई को वर्ष 2026 की तबादला नीति जारी कर दी है। नौ दिन के अंतराल में सभी विभागों को तबादले से संबंधित तैयारियां करने और विभागीय तबादला नीति जारी करने के निर्देश भी जीएडी ने दिए हैं। इसके बाद अब सोमवार से विभाग तबादला नीति के आधार पर स्थानांतरण आदेश जारी कर सकेंगे।

जिन विभागों में 200 तक कर्मचारी हैं उनमें 20 फीसदी तबादले- तबादला नीति में कर्मचारियों के स्वैच्छिक और प्रशासनिक आधार पर तबादले को लेकर जो व्यवस्था तय की गई है उसके मुताबिक जिन विभागों में 200 तक कर्मचारी हैं उनमें 20 फीसदी तबादले होंगे। जहां 200 से 1000 तक कर्मचारी हैं वहां 15 फीसदी तबादले किए जाएंगे। इसके साथ ही 1000 से 2000 तक की कर्मचारियों की संख्या वाले विभागों में 10 फीसदी और 2001 से अधिक कर्मचारी संख्या वाले विभागों में पांच प्रतिशत तबादले किए जाएंगे।

एसएसपी ने लिया शहर में ट्रैफिक व्यवस्था का जायजा, अवैध पार्किंग के खिलाफ लिया एक्शन

दैनिक अलग पहचान, वरिष्ठ संवाददाता, रांची /

रांची: राजधानी रांची में बढ़ते ट्रैफिक दबाव और सड़कों पर अव्यवस्था को देखते हुए सोमवार को रांची एसएसपी राकेश रंजन खुद सड़क पर उतरे। उन्होंने ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह और अन्य अधिकारियों के साथ शहर के प्रमुख इलाकों का निरीक्षण किया। अल्बर्ट एक्का चौक से लेकर अंजुमन प्लाजा तक ट्रैफिक व्यवस्था का जायजा लिया गया। इस दौरान जहां-जहां अवैध पार्किंग और अतिक्रमण मिला, वहां तुरंत कार्रवाई की गई।

सड़क किनारे खड़े वाहनों पर कार्रवाई- निरीक्षण के दौरान अधिकारियों की नजर सबसे पहले उन वाहनों पर गई जो सड़क किनारे गलत तरीके से खड़े किए गए थे। कई जगहों पर लोगों ने अपनी बाइक और कारें ऐसे खड़ी कर रखी थीं, जिससे दूसरे वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो रही थी। पुलिस ने ऐसे वाहन चालकों को चेतावनी दी और कई जगहों पर वाहनों को हटवाया भी गया। अधिकारियों ने साफ कहा कि सड़कें वाहनों की आवाजाही के लिए हैं, पार्किंग के लिए नहीं। अगर लोग नियमों का पालन नहीं करेंगे तो आगे और सख्त कार्रवाई की जाएगी।

फुटपाथ पर कब्जा करने वालों की बढ़ी परेशानी- अभियान के दौरान फुटपाथ और पैदल यात्रियों के रास्तों पर भी विशेष ध्यान दिया गया। कई जगहों पर फुटपाथ पर मोटरसाइकिलें खड़ी मिलीं, जबकि कुछ स्थानों पर दुकानदारों ने अपना सामान फैलाकर रास्ता घेर रखा था। पुलिस ने ऐसे लोगों को तुरंत हटने का निर्देश दिया। अधिकारियों ने कहा कि फुटपाथ पैदल चलने वालों के लिए बनाया गया है। उस पर कब्जा होने से लोगों को मजबूर होकर सड़क पर चलना पड़ता है, जिससे दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है।

पार्किंग स्टैंड की भी जांच- निरीक्षण के दौरान पार्किंग स्टैंडों की व्यवस्था भी देखी गई। कई जगह वाहनों को बेतरतीब ढंग से खड़ा किया गया था। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद कर्मियों को वाहनों को व्यवस्थित तरीके से पार्क कराने का निर्देश दिया। एसएसपी ने कहा कि अगर पार्किंग व्यवस्था सही रहेगी तो सड़कों पर अनावश्यक दबाव कम होगा और जाम की समस्या भी काफी हद तक नियंत्रित की जा सकेगी।

ट्रैफिक जवानों को दिए जरूरी निर्देश- एसएसपी ने विभिन्न ट्रैफिक पोस्ट पर तैनात अधिकारियों और जवानों से भी बातचीत की। उन्होंने ड्यूटी के दौरान सतर्क रहने, ट्रैफिक को सुचारु रखने और आम लोगों से बेहतर व्यवहार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाना सिर्फ पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि आम लोगों को भी नियमों का पालन करना होगा। जब तक लोग खुद जागरूक नहीं होंगे, तब तक जाम और अव्यवस्था की समस्या पूरी तरह खत्म नहीं हो सकती।

आगे भी जारी रहेगा अभियान- एसएसपी ने बताया कि राजधानी में अवैध पार्किंग, अतिक्रमण और ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार चलाया जाएगा। शहर के प्रमुख बाजारों और व्यस्त इलाकों में नियमित जांच की जाएगी ताकि लोगों को जाम से राहत मिल सके और यातायात व्यवस्था बेहतर बनी रहे। निरीक्षण के दौरान स्थानीय डीएसपी, संबंधित थानेदार और अन्य पुलिस पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

सीएम हेमंत का ऐलान- पंचायत में बनेंगे डिजिटल, जमीन के रिकॉर्ड होंगे डिजिटल

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची

रांची: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने साफ कर दिया है कि अब झारखंड में जमीन और परिवहन से जुड़ी सेवाओं को ज्यादा पारदर्शी, आसान और समयबद्ध बनाया जाएगा। सोमवार को झारखंड मंत्रालय में परिवहन विभाग तथा राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। बैठक में भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण से लेकर खासमहल जमीन की लीज प्रक्रिया, पंचायत स्तर पर ड्राइविंग लाइसेंस कैंप, सड़क सुरक्षा और आपातकालीन सेवाओं तक कई मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुईजमीन खरीदने से पहले मिलेगी पूरी जानकारी बैठक में मुख्यमंत्री ने राज्य के सभी भूमि अभिलेखों के व्यापक डिजिटलीकरण का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आम लोगों को जमीन खरीदने से पहले उसकी पूरी जानकारी एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होनी चाहिए। नई व्यवस्था लागू होने के बाद कोई भी व्यक्ति यह जान सकेगा कि जिस जमीन को वह खरीदना चाहता है, वह सरकारी अधिग्रहण की प्रक्रिया में है, पहले से अधिग्रहित है या पूरी तरह मुक्त है। इससे जमीन खरीद-बिक्री में पारदर्शिता बढ़ेगी और विवादों में कमी आएगी। सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जमीन से जुड़े सभी महत्वपूर्ण दस्तावेजों को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ा जाए ताकि लोगों को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

जिस घर में रहता था असद, उस पर चलेगा बुलडोजर!

- सूर्या चौहान मर्डर केस में बड़ी तैयारी, ढोल लेकर पहुंचा प्रशासन

गाजियाबाद (एजेंसी)। बकरीद के दिन गाजियाबाद की खोड़ा कॉलोनी में सूर्या चौहान की हत्या करने वाले असद का एनकाउंटर हो चुका है। अब प्रशासन ने एक और कार्रवाई की है। जांच में सामने आया कि खोड़ा के नवनीत विहार में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर एक इमारत बनाई गई है। इसी इमारत में असद अपने माता-पिता के साथ किराए पर रहता था। प्रशासन ने नोटिस जारी कर बिल्डिंग मालिक को 15 दिन में जमीन को खाली करने का अल्टीमेटम जारी किया है।

- **15 दिन के भीतर अवैध निर्माण हटाने का निर्देश-** उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 2002 की धारा 136 के तहत जारी नोटिस में बिल्डिंग मालिक को 15 दिन के भीतर अवैध निर्माण हटाने और इमारत खाली कराने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि तय समय में कब्जा नहीं हटाया गया तो इमारत को जबरन खाली कराकर ध्वस्त कर दिया जाएगा।

15 दिन की मियाद, फिर चलेगा बुलडोजर

बिल्डिंग में असद के परिवार के अलावा कई अन्य परिवार भी किराए पर रह रहे हैं। नोटिस चस्पा होने के बाद सभी किराएदारों को मकान खाली करना होगा। ढोल और अनाउंसमेंट के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई और इलाके में हड़कंप मच गया।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने योजनाओं की समीक्षा कर बोले- रिजल्ट चाहिए, बहाने नहीं

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

रांची। सीएम हेमंत सोरेन ने साफ शब्दों में कहा है कि सरकार की योजनाओं का फायदा समाज के आखिरी व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं से वंचित नहीं रहना चाहिए। इसी सोच के साथ सोमवार को झारखंड मंत्रालय में अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

योजनाओं की प्रगति का लिया पूरा हिसाब- बैठक के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ई-कल्याण पोर्टल, प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना, मरांग गोमके पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना, साइकिल वितरण योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना और परीक्षा शुल्क प्रतिपूर्ति योजना की प्रगति की समीक्षा की। अधिकारियों ने योजनाओं की वर्तमान स्थिति, लाभुकों की संख्या और सामने आ रही चुनौतियों की जानकारी दी। सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि योजनाएं सिर्फ फाइलों और रिपोर्टों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। उनका असर जमीन पर दिखना चाहिए। लोगों को समय पर लाभ मिले, योजनाओं में पारदर्शिता बनी रहे और विभागों के बीच बेहतर तालमेल हो, इस पर विशेष ध्यान दिया जाए।

रोजगार सृजन योजना के लाभुकों से सीधे की बात- बैठक का सबसे खास हिस्सा मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के लाभुकों के साथ हुई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रही। मुख्यमंत्री ने सीधे लाभुकों से बात कर जाना कि उन्हें कितना ऋण मिला, किस तरह का व्यवसाय चला रहे हैं, कितनी आय हो रही है और बैंकिंग प्रक्रिया में कोई परेशानी तो नहीं है। लाभुकों ने बताया कि योजना की मदद से वे आत्मनिर्भर बने हैं और अपने व्यवसाय के जरिए दूसरों को भी रोजगार दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को लंबित आवेदनों का जल्द निपटारा करने और लाभुकों को नियमित प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए।

लाभुकों की समस्याएं सुनने के लिए बनेगा कॉल सेंटर- सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के लाभुकों से लगातार संपर्क बनाए रखने और उनकी समस्याओं की जानकारी लेने के लिए कॉल सेंटर की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि इससे लाभुकों को समय पर सहायता और मार्गदर्शन मिल सकेगा तथा योजना का लाभ और बेहतर तरीके से लोगों तक पहुंचेगा।आवासीय विद्यालयों और एकलव्य स्कूलों पर विशेष फोकससीएम ने गढ़वा, देवघर और साहिबगंज में बने अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालयों की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने विद्यालयों में उपलब्ध सुविधाओं, नामांकन और संचालन व्यवस्था की जानकारी ली। इसके साथ ही एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने शिक्षकों की उपलब्धता, भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता, सुरक्षा और छात्र-छात्राओं को मिलने वाली सुविधाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

छात्रावासों में हर जरूरी सुविधा सुनिश्चित करने का निर्देश- निर्माणाधीन छात्रावासों और आदिवासी हॉस्टलों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों को स्वच्छ पेयजल, बिजली, स्वास्थ्य सुविधा, सुरक्षा और गुणवत्तापूर्ण भोजन मिलना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने को कहा कि छात्रावासों में रहने वाले बच्चों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। साथ ही एनजीओ संचालित आश्रम विद्यालयों के विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश भी दिए गए।

छात्रों को एसआईआर और जनगणना के प्रति किया जाएगा जागरूक- मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि विद्यालयों में विशेष कार्यक्रम चलाकर विद्यार्थियों को एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) और जनगणना के बारे में जानकारी दी जाए। उन्होंने कहा कि छात्र समाज में जागरूकता फैलाने का मजबूत माध्यम बन सकते हैं। इसके लिए स्कूलों में कार्यशालाएं, जागरूकता अभियान और विशेष सत्र आयोजित करने पर जोर दिया गया।

अब साइकिल की जगह मिल सकती है ई-साइकिल- साइकिल वितरण योजना की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को एक नई कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बदलते समय को देखते हुए विद्यार्थियों को पारंपरिक साइकिल की जगह ई-साइकिल उपलब्ध कराने की संभावना पर काम किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले विद्यार्थियों के लिए स्कूल पहुंचना बड़ी चुनौती होती है। ऐसे में ई-साइकिल उनकी पढ़ाई को आसान बनाने में मददगार साबित हो सकती है।कौशल विकास को रोजगार से जोड़ने पर जोरमुख्यमंत्री ने कौशल विकास कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल प्रमाणपत्र बांटने तक सीमित नहीं रहने चाहिए। प्रशिक्षण ऐसा हो जो युवाओं को वास्तविक रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्थानीय जरूरतों और उद्योगों की मांग के अनुरूप प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार किए जाएं ताकि प्रशिक्षण पूरा होते ही युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सकें।

- *नीट री-एग्जाम पेन-पेपर मोड में ही होगी*

सुप्रीम कोर्ट बोला-एजेंसियां पहले से ही भारी दबाव में हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने 21 जून को होने वाली नीट री-एग्जाम को कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट मोड में कराने की मांग मानने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई जुलाई में तय की है। इससे 21 जून को होने वाली परीक्षा फिलहाल पेन-पेपर मोड में ही होगी। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस अरविंद कुमार की बेंच आरजेडी सांसद सुधाकर सिंह की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ता के वकील ने नीट की दोबारा परीक्षा सीबीटी मोड में कराने की मांग की।

देशभर में 3 मई को नीट परीक्षा हुई थी। 7 मई की शाम पेपर लीक की खबर सामने आई थी। 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी गई। 21 जून को री-एग्जाम होगा।

याचिका में 4 बड़े बदलावों की मांग

एनटीए की जगह एक स्वतंत्र वैधानिक राष्ट्रीय परीक्षा प्राधिकरण बनाया जाए। इसके साथ ही पूर्व इसरो प्रमुख के राधाकृष्णन समिति की सिफारिशें लागू की जाए। बायोमेट्रिक सत्यापन, एआई आधारित निगरानी, एन्क्रिप्टेड डिजिटल प्रश्नपत्र प्रणाली और प्रश्नपत्रों को डिजिटल रूप से सुरक्षित रखने जैसे उपाय अपनाए जाए। नीट को पूरी तरह कंप्यूटर आधारित परीक्षा बनाने के लिए रोडमैप तैयार किया जाए।

B-3 के तीन पैसेंजर्स पर अटकी RPF की नजर, तो हुआ चौंकाने वाला खुलासा

दैनिक अलग पहचान, वरिष्ठ संवाददाता, रांची /

रांची । संबलपुर-जम्मू तवी एक्सप्रेस अपनी रफ्तार से आगे बढ़ रही थी। याबत्रियों की भीड़ थी, लोग अपनी मंजिल तक पहुंचने की तैयारी में थे। इसी बीच बी-3 कोच में बैठे तीन युवकों पर RPF की नजर ठहर गई। देखने में सब कुछ नॉर्मल लग रहा था, लेकिन उनके पास रखे कई बैग और उनकी घबराहट ने अधिकारियों को शक में डाल दिया। कुछ देर बाद जो खुलासा हुआ, उसने सभी को चौंका दिया। बैगों के अंदर कपड़े या घरेलू सामान नहीं, बल्कि 61 किलोग्राम गांजा भरा हुआ था। इसकी कीमत करीब 30.50 लाख रुपये बताई जा रही है। RPF ने तीनों युवकों को गिरफ्तार कर पूरे मामले का खुलासा किया है। गिरफ्तार युवकों की पहचान बिहार के बक्सर जिले के रहने वाले आयुष सिंह (22), प्रिंस कुमार (21) और अंकित पाठक (19) के रूप में हुई है। इनके पास से तीन मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं।

एक नजर और बढ़ गया शक- 30 मई को रांची रेलवे स्टेशन पर RPF फ्लाइंग टीम, आरपीएफ पोस्ट और अपराध शाखा की संयुक्त टीम ऑपरेशन 'NARCOS' के तहत जांच अभियान चला रही थी। इसी दौरान संबलपुर-जम्मू तवी एक्सप्रेस के बी-3 कोच में तीन युवक चार ट्रॉली बैग और तीन पिट्ठू बैग के साथ बैठे मिले। अधिकारियों को उनकी गतिविधियां कुछ अलग लगीं। पूछताछ शुरू हुई तो तीनों के चेहरे का रंग बदलने लगा। सवालों के जवाब भी उलझे हुए थे। यहीं से अधिकारियों का शक और गहरा गया।

सवाल बढ़े तो टूट गई चुप्पी- RPF अधिकारियों ने जब बैगों के बारे में पूछा तो पहले युवक गोलमोल जवाब देते रहे। लेकिन कड़ा रुख अपनाने के बाद उनकी चुप्पी टूट गई। आखिरकार उन्होंने कबूल कर लिया कि बैगों में गांजा रखा हुआ है। इसके बाद पूरी टीम सतर्क हो गई। ट्रेन को बीच रास्ते में रोकना संभव नहीं था, इसलिए आरोपियों को उनके सामान के साथ नामकुम रेलवे स्टेशन पर उतारा गया।बैग खुले तो सामने आ गया नशे का जखीरानामकुम स्टेशन पर जब एक-एक बैग की तलाशी ली गई तो अंदर से पैकेटों का ढेर निकलने लगा। कुल 61 पैकेट बरामद हुए। जांच में इनका कुल वजन 61 किलोग्राम पाया गया। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने तुरंत बरामद सामग्री की जांच कराई। डीडी किट से परीक्षण में पुष्टि हुई कि यह गांजा ही है। बरामद खेप की अनुमानित कीमत लगभग 30.50 लाख रुपये आंकी गई। अब जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि इतनी बड़ी मात्रा में गांजा कहां से लाया गया था और इसे किस नेटवर्क के जरिए आगे पहुंचाया जाना था।रेलवे बना तस्करों का रास्ताजांच अधिकारियों का मानना है कि नशा तस्कर अक्सर लंबी दूरी की ट्रेनों का इस्तेमाल करते हैं। भीड़भाड़ वाली ट्रेनों में सामान के बीच प्रतिबंधित पदार्थ छिपाकर एक राज्य से दूसरे राज्य तक पहुंचाने की कोशिश की जाती है। हालांकि इस बार आरपीएफ की सतर्कता ने उनकी योजना पर पानी फेर दिया।ऑपरेशन NARCOS लगातार दे रहा सफलतारेलवे सुरक्षा बल इन दिनों ऑपरेशन 'NARCOS' के तहत नशा तस्करों के खिलाफ विशेष अभियान चला रहा है। इसी अभियान के तहत स्टेशन, प्लेटफॉर्म और ट्रेनों में लगातार जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी ताकि रेलवे मार्ग का इस्तेमाल कर नशे की तस्करी करने वालों पर शिकंजा कसा जा सके।

संक्षिप्त समाचार

रिम्स कर्मियों का फूटा गुस्सा, तीन महीने से वेतन नहीं मिलने पर धरना

रांची, एजेंसी। : झारखंड की राजधानी रांची स्थित रिम्स के कर्मियों ने सोमवार को तीन महीने से वेतन भुगतान नहीं होने के विरोध में जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान कर्मचारी निदेशक कार्यालय पहुंचे और रिम्स प्रशासन व स्वास्थ्य मंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कर्मचारियों ने अपनी मांगों को जल्द पूरा करने और ओपीएस सिस्टम लागू करने की मांग उठाई। प्रदर्शन कर रहे कर्मियों ने स्पष्ट किया कि वे कार्य बहिष्कार नहीं कर रहे हैं। मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए वार्ड और अपने कार्यस्थलों को जूनियर कर्मचारियों को तैनात कर प्रदर्शन में शामिल हुए हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में मिला शिक्षक का शव, उत्तर प्रदेश के रहने वाले थे टीचर

पलामू, एजेंसी। जिला के पांकी थाना क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में फिजिकल टीचर सत्यप्रकाश श्रीवास्तव का शव बरामद हुआ है। सत्यप्रकाश श्रीवास्तव उत्तर प्रदेश के जौनपुर के रहने वाले थे। पुलिस प्रथम दृष्टया आत्महत्या का मामला मान रही है लेकिन सभी बिंदुओं पर अनुसंधान कर रही है। सत्यप्रकाश श्रीवास्तव पलामू के पांकी प्रखंड के सिलदिलाया में फिजिकल टीचर के रूप में तैनात थे। पलामू के पांकी में वह किराए के मकान में रहा करते थे। रविवार को पड़ोसियों ने देखा कि उनका शव घर के अंदर पाया गया है। स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी जानकारी पांकी थाना की पुलिस को दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले में छानबीन शुरू की। पांकी थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया है। पुलिस सभी बिंदुओं पर अनुसंधान कर रही है। परिजनों के आवेदन के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है परिजन भी मौके के लिए रवाना हो गए हैं। प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का मामला लग रहा है। घटना की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में अन्य शिक्षक भी मौके पर पहुंचे हैं। सत्यप्रकाश श्रीवास्तव लंबे समय से पांकी के थाना रोड में किराए के मकान में रह रहे थे।

दुमका से कलयुगी पिता गिरफ्तार: 15 वर्षीय बेटी से 3 साल तक यौन शोषण का आरोप

दुमका, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर की पुलिस झारखंड के दुमका जिले से 47 साल के एक शख्स को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई है। उसके खिलाफ पाक्सो एक्ट के तहत दुर्गापुर न्यू टाउनशिप थाना में मामला दर्ज हुआ है। उसके विरुद्ध यह मामला खुद उसकी पत्नी ने दर्ज कराया है। उसने जो तहरीर पुलिस को दी है, उसमें उसके द्वारा बेहद गंभीर आरोप अपने पति पर लगाए गए हैं। बताया गया है कि आरोपी शख्स अपनी पंद्रह साल की बेटी का यौन शोषण कर रहा था। बेटी जब 1 साल से मानसिक रूप से परेशान थी तो दुर्गापुर मिशन हॉस्पिटल में इलाज कराया गया, लेकिन वहां इलाज में कोई सुधार नहीं हुआ तो पति पत्नी बेटी को लेकर इलाज के लिए वेल्लोर गए। वहां पर पूछताछ में बेटी ने डॉक्टर के समक्ष इस बात का खुलासा किया कि उसका पिता उसके साथ यौन शोषण कर रहा है। पिता बेटी पर दबाव बनाता था कि उसने अगर कहीं भी इसका खुलासा कर दिया तो वह उसकी मां को छोड़ देगा। इसी वजह से बेटी इस अवधि में न केवल मानसिक रूप से परेशान रह रही थी बल्कि गंभीर अवसाद में भी रही। इस दौरान उसने खुद को खत्म करने का भी प्रयास किया था। बताया जा रहा है कि एक प्रतिष्ठित कंपनी में आरोपी 12 साल से काम कर रहा है और चार महीना पहले ही तबादले के बाद बतौर मैनेजर दुमका आया था। घटना को लेकर यह दम्पति अप्रैल महीने में ही वेल्लोर गया था। उसके बाद पत्नी ने दुर्गापुर न्यू टाउनशिप थाना में आवेदन दिया। बीएनएस की धारा और पॉक्सो की धारा के तहत आरोपी पिता को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। इधर आरोपी ने खुद को बेगुनाह बताया है और इसे पत्नी द्वारा रची गई साजिश बताया है।

सरायकेला-खरसावां : कपाली में युवक हत्याकांड का खुलासा, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

सरायकेला, एजेंसी। खरसावां जिला अंतर्गत कपाली ओपी क्षेत्र के डोबो–कांदरबेड़ा मुख्य मार्ग स्थित डोंगाघाट, पुड़िसिलि में बीते 15 मई को हुए चर्चित युवक हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त चापड़ भी बरामद किया गया है। मामले में शामिल एक अन्य आरोपी से पूछताछ के लिए पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। इस संबंध में जानकारी देते हुए कपाली पुलिस ने बताया कि बीते 15 मई 2026 को डोंगाघाट क्षेत्र में एक अज्ञात युवक का शव बरामद हुआ था। युवक की हत्या बेहद क्रूरतापूर्वक चापड़ और भुजाली से वार कर की गई थी। बाद में मृतक की पहचान पूर्वी सिंहभूम जिले के परसुडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत किताडीह गाड़ीवान पट्टी निवासी मो तौसीफ उर्फ राज (21) के रूप में हुई। अनुसंधान के दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली, जिसके आधार पर शनिवार को आरोपी अहमद जमील अंसारी (30 वर्ष) को गिरफ्तार किया गया।

कम हुआ गर्मी का असर, अधिकांश जिलों में सामान्य से नीचे रहा तापमान,

इन जिलों में बारिश-वज्रपात के आसार

रांची, एजेंसी। झारखंड में जून महीने की शुरुआत मौसम के बदले हुए तेवर के साथ हुई है। राज्य के अधिकांश हिस्सों में 1 जून को आसमान में बादलों की आवाजाही बने रहने की संभावना है। इसके साथ ही कई जिलों में बारिश, मेघ गर्जन और वज्रपात की गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। मौसम केंद्र, रांची ने कुछ इलाकों में तेज हवा चलने की संभावना जताते हुए सतर्क रहने की सलाह दी है।

1 जून को राज्य के उत्तर-पश्चिमी हिस्सों को छोड़कर अधिकांश क्षेत्रों में मौसम सक्रिय रहने का अनुमान है। रांची, बोकारो, धनबाद, रामगढ़, खूंटी, गुमला, हजारीबाग, कोडरमा, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, सिमडेगा, देवघर, दुमका, गिरिडीह, जामताड़ा, गोड्डा, पाकुड़ और साहिबगंज समेत कई जिलों में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इन इलाकों में गरज के साथ वज्रपात होने तथा 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की आशंका जताई गई है। दूसरी ओर पलामू, गढ़वा, चतरा और लातेहार जैसे उत्तर-पश्चिमी जिलों में बारिश की संभावना कम है। इन क्षेत्रों में मौसम अपेक्षाकृत शुष्क रह सकता है, हालांकि बादलों की आवाजाही बनी रह सकती है। अगर अगले कुछ दिनों की बात करें तो 2 जून से 4 जून के बीच भी मौसम पूरी तरह साफ रहने की संभावना नहीं है। दक्षिणी, मध्य और उत्तर-पूर्वी झारखंड के कई इलाकों में रुक-रुक कर बारिश की गतिविधियां जारी रह सकती हैं। इस दौरान भी कुछ स्थानों पर गर्जन, वज्रपात और तेज हवा चलने की आशंका बनी रहेगी।

राजधानी रांची और आसपास के क्षेत्रों में भी 1 जून से 3 जून तक बादल छाये रहने और गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। 4 जून को तापमान में कुछ बढ़ोतरी दर्ज की जा सकती है, लेकिन मौसम में नमी बने रहने के संकेत हैं।

झारखंड में मौसम का मिजाज फिलहाल राहत भरा बना हुआ है। पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से कम दर्ज किया गया। हालांकि पलामू क्षेत्र का डाल्टनगंज सबसे गर्म स्थान रहा, जहां अधिकतम तापमान 39.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

पिछले 24 घंटे में कई जिलों के तापमान में बढ़ोतरी भी दर्ज की गई। चाईबासा में अधिकतम तापमान में 6.4 डिग्री, सरायकेला में 6.3 डिग्री, बोकारो में 6.1 डिग्री और जामताड़ा क्षेत्र में लगभग 6 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्ज की गई। इसके बावजूद राज्य के अधिकांश हिस्सों में तापमान सामान्य से नीचे बना रहा।

मौसम केंद्र रांची के ताजा आंकड़ों के अनुसार राजधानी रांची में अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो सामान्य से 4.2 डिग्री कम रहा। वहीं जमशेदपुर का अधिकतम तापमान 34.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 5.7 डिग्री नीचे रहा। बोकारो थर्मल में 35.5 डिग्री और चाईबासा में 35.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। इन दोनों स्थानों पर भी तापमान सामान्य स्तर से नीचे बना रहा। ऑटोमेटेड वेदर स्टेशन के आंकड़ों के अनुसार सरायकेला में अधिकतम तापमान 36.1 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि कोडरमा और पाकुड़ में 35.5 डिग्री, पश्चिमी सिंहभूम के जगन्नाथपुर में 34.9 डिग्री, गुमला में 34.5 डिग्री तथा पूर्वी सिंहभूम के बहरागोड़ा में 34.4 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया।न्यूनतम तापमान के आंकड़ों पर नजर डालें तो लातेहार सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान 19.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। रांची में न्यूनतम तापमान 22.6 डिग्री, जमशेदपुर में 26 डिग्री और डाल्टनगंज में 25।6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

धनबाद के लोयाबाद में घर पर चली गोली, जांच में जुटी पुलिस

धनबाद, एजेंसी। झारखंड के धनबाद जिले के लोयाबाद थाना क्षेत्र के कनकनी पासी पट्टी में रविवार की रात अचानक गोली चलने से दहशत फैल गई। रात करीब 11 बजे पासी पट्टी में रहने वाले रवि मिर्धा के घर पर गोली चलाई गई है। रवि झरिया के एक आउटसोर्सिंग कंपनी में चालक का काम करता है। गोली रवि के घर के लोहे की खिड़की में सटा कर मारी गई, जो खिड़की को छेद करते हुए घर में रखे अलमारी में जाकर लगी, जिससे अलमारी का शीशा टूट गया और गोली अलमारी के अंदर फंस गई। घटना में घर वाले बाल-बाल बच गए। अचानक गोली की आवाज सुनकर पूरा परिवार डर के मारे नींद से जग गया। अपनी खिड़की पर गोली का निशान देखकर रवि और उसका परिवार भयभीत है। इधर गोली की आवाज सुनकर बस्ती के लोग भी अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए और गोली चलाने वाले की खोजबीन शुरू कर दी। हालांकि तब तक गोली चलाने वाला फरार हो चुका था।

लोहरदगा में दो महिलाओं की ट्रैक्टर की चपेट में आने से मौत, चालक और वाहन मालिक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

लोहरदगा, एजेंसी। जिले में रफ्तार का कहर एक बार फिर देखने को मिला है। तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने घर के बाहर बैठी दो महिलाओं को अपनी चपेट में ले लिया। जिसकी वजह से दोनों महिलाओं की मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीण आक्रोशित हो गए। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

दुर्घटना का स्पष्ट कारण तेज रफ्तार और लापरवाही सामने आई है। ट्रैक्टर की रफ्तार काफी अधिक थी। चालक, ट्रैक्टर पर अपना नियंत्रण नहीं रख सका था और उसने दोनों महिलाओं को अपनी चपेट में ले लिया। जिसमें एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूसरी महिला ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया।

घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, सेन्हा थाना क्षेत्र के डोका गांव स्थित अखरा के पास दो महिलाएं घर के बाहर बैठकर आपस में बातचीत कर रही थी। इसी दौरान बिना नंबर का ट्रैक्टर चालक तेज गति और लापरवाही से चलाते हुए वहां पहुंचा और दोनों महिलाओं को अपनी चपेट में ले लिया। हादसा इतना गंभीर था कि 70 वर्षीय इतवरिया उरांव की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दूसरी महिला 50 वर्षीय लक्ष्मी देवी ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। इधर, घटना की सूचना मिलते ही सेन्हा थाना प्रभारी नीरज झा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है।

गृहमंत्री अमित शाह के बयान का विरोध

झारखंड आदिवासी कांग्रेस ने फूंका पुतला

रांची, एजेंसी। आदिवासी समाज को 'वनवासी' कहकर संबोधित किए जाने के विरोध में झारखंड आदिवासी कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। साथ ही गृह मंत्री अमित शाह का पुतला फूंका।

संगठन के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष राज उरांव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उनके वक्तव्य को आदिवासी विरोधी बताते हुए प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों दिल्ली में आयोजित जनजातीय समागम के दौरान गृह मंत्री अमित शाह द्वारा आदिवासी समाज को 'वनवासी' कहा गया था। उसी का विरोध करने के लिए आज झारखंड आदिवासी कांग्रेस के कार्यकर्ता सड़क पर उतरे हैं।

झारखंड आदिवासी कांग्रेस के नेताओं ने कहा कि 'आदिवासी' शब्द हमारी पहचान, इतिहास, संघर्ष और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की प्रतीक है। इसे 'वनवासी' जैसे शब्दों से बदलने का प्रयास आदिवासी समाज की अस्मिता और आत्मसम्मान को कमजोर करने की भाजपा की सोची-समझी साजिश है। जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

प्रदर्शनकारियों ने यह भी बताया कि दिल्ली में आयोजित उस कार्यक्रम में आदिवासी समुदाय के लोगों के साथ अत्यंत अमानवीय व्यवहार किया गया। लगभग 45 डिग्री सेल्सियस की भीषण गर्मी में खुले मैदान में आदिवासी भाइयों-बहनों को जमीन पर बैठाया गया जबकि उनके लिए समुचित व्यवस्था तक नहीं की गई। यह केवल लापरवाही नहीं, बल्कि आदिवासी समाज का खुला अपमान और अपमानजनक व्यवहार है।

झारखंड आदिवासी कांग्रेस के नेताओं ने भाजपा और आरएसएस की नीतियों पर तीखा प्रहार किया। साथ ही कहा कि एक ओर ये लोग आदिवासी समाज के नाम पर दिखावटी सांस्कृतिक कार्यक्रम करते हैं। वहीं दूसरी ओर उनके जल, जंगल और जमीन पर लगातार हमला किया जा रहा है। बड़े-बड़े कॉर्पोरेट घरानों को लाभ पहुंचाने के लिए आदिवासियों की जमीन छीनी जा रही है। जंगलों की अंधाधुंध कटाई हो रही है और उनके पारंपरिक अधिकारों को कमजोर किया जा रहा है।

संगठन ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा सरकार आदिवासी समाज के मूल मुद्दों-भूमि अधिकार, वन अधिकार, रोजगार, विस्थापन और सामाजिक सुरक्षा पर पूरी तरह मौन है। उनकी नीतियां आदिवासी हितों की रक्षा करने के बजाय उन्हें व्यवस्थित रूप से कमजोर कर रही हैं।

इस विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में आदिवासी कांग्रेस के कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि एवं समाज के विभिन्न वर्गों के लोग उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में इस अपमानजनक टिप्पणी और जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद की तथा आदिवासी अस्मिता की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करने का संकल्प लिया। झारखंड आदिवासी कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि इस प्रकार की मानसिकता और नीतियां जारी रहीं, तो राज्यभर में और भी व्यापक एवं तीव्र आंदोलन किया जाएगा।

पुरानी रांची में तड़के आग का तांडव, तीन गाड़ियां जलकर खाक, शॉर्ट सर्किट की आशंका

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित पुरानी रांची में सोमवार तड़के उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब सड़क किनारे खड़ी तीन गाड़ियों में अचानक आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते तीनों वाहन उसकी चपेट में आ गए और जलकर पूरी तरह खाक हो गए। हालांकि राहत की बात रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

घटना पुरानी रांची स्थित घुमकड़िया भवन के पास की है। स्थानीय लोगों ने सुबह-सुबह एक वाहन से धुआं और आग की लपटें उठती देखीं। देखते ही देखते आग ने पास में खड़ी दो अन्य गाड़ियों को भी अपनी चपेट में ले लिया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना कोतवाली थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई और दमकल विभाग को इसकी जानकारी दी गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक तीनों वाहन बुरी तरह जल चुके थे।

कोतवाली थाना प्रभारी सुजीत चौधरी ने बताया कि सुबह स्थानीय लोगों से वाहनों में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना के बाद पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची तथा आग बुझाने का काम किया गया। उन्होंने बताया कि शुरुआती तौर पर आग लगने के पीछे शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है, लेकिन वास्तविक कारण जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

थाना प्रभारी ने यह भी बताया कि जिस स्थान पर यह घटना हुई है, वह घनी आबादी वाला इलाका है। घरों में पर्याप्त जगह नहीं होने के कारण अधिकांश लोग अपनी गाड़ियां सड़क किनारे ही खड़ी करते हैं। आग लगने की वजह से आसपास के लोगों में कुछ समय के लिए दहशत का माहौल बन गया था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। वहीं, समाचार लिखे जाने तक किसी भी वाहन मालिक की ओर से थाने में कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई थी। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही यह साफ हो पाएगा कि आग हादसा थी या इसके पीछे कोई अन्य वजह थी।

मन की बात में पीएम नरेंद्र मोदी ने की रांची में हुई एथलेटिक्स प्रतियोगिता की चर्चा

रांची, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' के 134वें एपिसोड की शुरुआत झारखंड की राजधानी रांची से की। राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में 100 मीटर दौड़ के राष्ट्रीय रिकॉर्ड को लेकर प्रधानमंत्री ने दो एथलीटों की सराहना की, जिससे स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह की लहर दौड़ गई।मई के अंतिम रविवार को प्रसारित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने रांची में हाल ही में आयोजित राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का जिक्र करते हुए कहा कि दो दिनों में 100 मीटर दौड़ में तीन बार राष्ट्रीय रिकॉर्ड बने। उन्होंने एथलीट गुरिंदर और अनिमेष की प्रशंसा की और दोनों से सीधे बातचीत की।

गुरिंदर ने प्रधानमंत्री को अपनी सफलता के पीछे के संघर्ष की कहानी सुनाते हुए कहा, 'जीवन में तकलीफें आएंगी, लेकिन ऊंचे सपने देखना नहीं छोड़ना चाहिए।' अनिमेष ने बताया कि शुरुआत में एथलेटिक्स चुनने को लेकर झिझक थी, लेकिन अब उन्हें विश्वास है कि भारतीय एथलीट भी 100 मीटर में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रिकॉर्ड बना सकते हैं और पदक जीत सकते हैं। दोनों ने कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए चयन होने की जानकारी भी दी।दोनों एथलीट आपस में अच्छे मित्र हैं। पीएम से बातचीत में उन्होंने बताया कि वे एक-दूसरे के रिकॉर्ड तोड़ने की होड़ में लगे रहते हैं, लेकिन एक-दूसरे की मदद भी करते हैं। गुरिंदर और अनिमेष ने कहा, 'हम ग्राउंड के बाहर दोस्त और ट्रैक पर प्रतिस्पर्धी हैं।' प्रधानमंत्री मोदी ने उनकी इस स्वस्थ स्पर्धा की सराहना की और कहा कि दोनों देश का नाम रोशन करेंगे।भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी तथा संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह ने अन्य नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम सुना।बाबूलाल मरांडी ने कार्यक्रम को बेहद प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि रांची के एथलेटिक्स रिकॉर्ड, गर्मी में इस्तेमाल होने वाले पेय, विभिन्न राज्यों की आम की किस्में, केरल का स्विमिंग स्कूल, नीदरलैंड से लौटा प्राचीन ताम्रपत्र, डॉलफिन संरक्षण अभियान और चेन्नई की महिला द्वारा सेना के लिए 40 लाख रुपये की मदद जैसी कहानियां देशभक्ति और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देती हैं।

झारखंड टी-20 लीग में धनबाद के 8 क्रिकेटर्स बिखेरेंगे जलवा, डीसीए में उत्साह

धनबाद, एजेंसी। कोयलांचल के क्रिकेट खिलाड़ियों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। झारखंड टी-20 क्रिकेट लीग के लिए आयोजित प्लेयर ऑक्शन में धनबाद के आठ खिलाड़ियों का चयन विभिन्न फ्रेंचाइजी टीमों में हुआ है। इस उपलब्धि से धनबाद क्रिकेट एसोसिएशन के साथ-साथ जिले के खेल प्रेमियों में भी उत्साह का माहौल है।

चयनित खिलाड़ियों में कुनैन कुरैशी, श्रेष्ठ, राहुल प्रसाद, अनुराग सिंह सेंगर, प्रतीक रंजन, सिद्धार्थ सिन्हा, युवराज सिंह और आर्यमन लाला शामिल हैं। खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन और लगातार मेहनत को देखते हुए विभिन्न टीमों ने उन पर भरोसा जताते हुए अपनी टीम में शामिल किया है।इस उपलब्धि पर धनबाद क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव विनय कुमार सिंह ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह जिले के क्रिकेट के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की लगन, अनुशासन और निरंतर बेहतर प्रदर्शन का परिणाम है कि उन्हें राज्य की प्रतिष्ठित टी-20 लीग में खेलने का अवसर मिला है।

उन्होंने कहा कि डीसीए हमेशा से युवा खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं और प्रतिस्पर्धात्मक मंच उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। भविष्य में भी खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास जारी रहेगा। साथ ही उन्होंने विश्वास जताया कि चयनित खिलाड़ी लीग में बेहतरीन प्रदर्शन कर धनबाद की पहचान को और मजबूत करेंगे।

माहवारी पर अब नहीं होगी चुप्पी, हर माह 28 तारीख को गांव-गांव चलाया जाएगा जागरुकता अभियान

धनबाद, एजेंसी। मासिक धर्म एक ऐसी प्राकृतिक प्रक्रिया के जिसके बिना सृष्टि की कल्पना भी नहीं की जा सकती, लेकिन विडंबना यह है कि आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में माहवारी को लेकर खुलकर बात नहीं की जाती है। कई जगहों पर इसे शर्म, संकोच और सामाजिक वर्जना से जोड़कर देखा जाता है। नतीजा यह होता है कि किशोरियां अपनी समस्याएं किसी से साझा नहीं कर पातीं और कई बार स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करती हैं।

इन्हीं चुनौतियों को देखते हुए अब हर महीने की 28 तारीख को धनबाद जिले के गांव-गांव में विशेष जागरुकता अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत महिलाओं, किशोरियों के साथ-साथ पुरुषों को भी माहवारी से जुड़े वैज्ञानिक तथ्यों, स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी जाएगी। सहियाओं, स्वास्थ्यकर्मियों और महिला एवं बाल विकास विभाग के कर्मियों की मदद से लोगों को जागरूक किया जाएगा।

ग्रामीण समाज में आज भी माहवारी को लेकर कई तरह की गलत धारणाएं प्रचलित हैं। कहीं माहवारी के दौरान महिलाओं को रसोई में जाने से रोका जाता है तो कहीं मंदिर में प्रवेश नहीं करने दिया जाता। कई घरों में आज भी इस विषय पर बात करना उचित नहीं माना जाता है।

यही वजह है कि जब किसी किशोरी को पहली बार माहवारी होती है तो वह घबरा जाती है। कई बार उसे यह भी नहीं पता होता कि उसके शरीर में हो रहा बदलाव पूरी तरह सामान्य और प्राकृतिक है।जानकारी के अभाव में डर, झिझक और भ्रम की स्थिति पैदा हो जाती है।

इस संबंध में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेहा कश्यप कश्यप ने बताया कि हर महीने की 28 तारीख को विशेष जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। गांव-गांव सहिया और सेविका, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और स्वास्थ्य विभाग से जुड़े कर्मचारी लोगों को जागरूक करेंगे। उनका कहना है कि किशोरियों के मन में माहवारी को लेकर जो झिझक है, उसे दूर करना बेहद जरूरी है। उन्हें यह भरोसा दिलाना होगा कि यदि उन्हें किसी तरह की परेशानी होती है तो वे अपनी मां, शिक्षकों या स्वास्थ्यकर्मियों से खुलकर बात कर सकती हैं।

सिर्फ महिलाओं और किशोरियों को ही नहीं, बल्कि पुरुषों और परिवार के अन्य सदस्यों को भी यह समझने की जरूरत है कि माहवारी के पांच दिन किसी भी महिला के लिए कितने महत्वपूर्ण होते हैं। ऐसे समय में परिवार का सहयोग और समझदारी बेहद जरूरी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि जागरुकता की शुरुआत घर से होनी चाहिए। मां यदि अपनी बेटी को समय रहते माहवारी के बारे में जानकारी दे दे तो पहली बार माहवारी आने पर उसे डर या घबराहट नहीं होगी।

वहीं इस संबंध में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, तोपचांची की मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ। संज्ञा बताती हैं कि कई किशोरियां अचानक रक्तस्राव देखकर घबरा जाती हैं। इसलिए जरूरी है कि अभिभावक पहले से उन्हें इस प्राकृतिक प्रक्रिया के बारे में समझाएं। उन्होंने बताया कि माहवारी के दौरान स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इस्तेमाल किए जाने वाले सैनिटरी पैड को पांच से छह घंटे के भीतर बदल देना चाहिए। लंबे समय तक एक ही पैड का उपयोग करने से संक्रमण और बैक्टेरिया पनपने का खतरा बढ़ जाता है।

संक्षिप्त समाचार

साहिबगंज में भीषण सड़क हादसा, पुलिस जवान समेत तीन युवक की मौत

साहिबगंज, एजेंसी। जिला में बोरियो-तीनपहाड़ मुख्य पथ पर चतरा धोगड़ा के आगे क्रशर के पास दो बाइकों की सीधी टक्कर में दो लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद दो युवक घायल हो गए। इलाज के दौरान सदर अस्पताल में एक ने दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार, उधवा निवासी एवं झारखंड पुलिस के जवान हृदय कुमार सरकार, जो गोड्डा कोर्ट में पदस्थापित थे, अपनी बाइक से गोड्डा से अपने घर उधवा जा रहे थे। वहीं दूसरी ओर वृंदावन (तीनपहाड़) से तीन युवक सनाउल अंसारी, साहिल अंसारी और मिराज अंसारी एक ही बाइक पर सवार होकर वृंदावन से बोरियो आ रहे थे। इसी दौरान दोनों बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में पुलिस जवान हृदय कुमार सरकार (35) एवं वृंदावन निवासी मिराज अंसारी (25) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दनवार निवासी करीम अंसारी ने बताया कि मृतक मिराज उनका भांजा था। वह अपने मामा के घर दनवार घूमने आ रहा था। इलाज के दौरान साहिल अंसारी ने दम तोड़ दिया। इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की छानबीन की। इसके बाद बोरियो सीएचसी पहुंचकर दोनों मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। वहीं एएसआई सुधीर कुमार तिवारी ने घटनास्थल से दोनों बाइकों को जब्त कर लिया। साथ ही घटनास्थल से हृदय कुमार सरकार का बैग भी बरामद किया गया। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल कर रही है। -धर्मेंद्र कुमार, एएसआई, बोरियो थाना। वहीं उधवा निवासी अभिषेक ने बताया कि हृदय कुमार सरकार उनके रिश्तेदार थे। हृदय की शादी बिहार के मनिहारी निवासी संगीता देवी से हुई थी। उनके एक पुत्र और एक पुत्री हैं। हृदय फायरिंग अभ्यास में भाग लेने के बाद घर लौट रहे थे। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन साहिबगंज के लिए रवाना हो गए।

पलामू के जमीन माफियाओं पर बरसे वित्त मंत्री- बोले सुधर जाओ, वरना खैर नहीं

पलामू, एजेंसी। झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने अपराधियों और भू-माफियाओं के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट संदेश दिया है कि राज्य सरकार किसी भी कीमत पर कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को बख्शने वाली नहीं है। सोमवार को पाटन प्रखंड के सुदूर चेतमा पिकेट में तैनात जवानों के लिए 10 कूलर और एक वाटर प्यूरीफायर (आरओ) उपलब्ध कराते हुए उन्होंने अपराधियों और अवैध रूप से जमीन कब्जाने वाले तत्वों को खुली चेतावनी दी। वित्त मंत्री ने कहा कि कुछ लोग ताकत और दबंगई के बल पर गरीबों और कमजोर लोगों की जमीन पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे लोगों के लिए सरकार की नीति बिल्कुल स्पष्ट है। हेमंत सोरेन सरकार कानून का राज स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी भू-माफिया या अपराधी को संरक्षण नहीं दिया जाएगा। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि जो लोग अपनी आपराधिक गतिविधियों से बाज नहीं आएंगे, उन्हें प्रशासन और पुलिस की सख्ती का सामना करना पड़ेगा। ऐसे तत्वों के लिए जिले में कोई जगह नहीं है। कानून से ऊपर कोई नहीं है और जो लोग लोकतांत्रिक व्यवस्था पर भरोसा नहीं रखते तथा अपराध के दम पर अपना वर्चस्व कायम करना चाहते हैं, उनकी सही जगह जेल है। राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि पलामू जिला प्रशासन और पुलिस को अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने की पूरी स्वतंत्रता दी गई है। उन्होंने भरोसा जताया कि पुलिस और प्रशासन ऐसे तत्वों से निपटने के लिए पूरी तरह मुस्तैद हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का स्पष्ट निर्देश है कि किसी भी नागरिक के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति दबंगई या अवैध तरीके से किसी की जमीन पर कब्जा करने का प्रयास करता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

धनबाद में युवक को गोली मारकर आपराधियों ने लूट ली बाइक

धनबाद, एजेंसी। जिले में सोमवार की सुबह तोपचांची थाना क्षेत्र में बाइक से जा रहे एक युवक को गोली मार दी गई। घटना के बाद हमलावर उसकी बाइक लेकर फरार हो गए। घायल युवक को इलाज के लिए धनबाद के एसएनएमएमसीएच में भर्ती कराया गया है। हालांकि, पुलिस की शुरुआती जांच में मामला संदिग्ध नजर आ रहा है और इसके तार कोयला खनन क्षेत्र में वर्चस्व की लड़ाई से जुड़े होने की आशंका जताई जा रही है। घायल युवक की पहचान बोकारो जिले के दुग्दा थाना क्षेत्र के अटारी गांव निवासी रवि बख्श राय के रूप में हुई है। रवि ने पुलिस को बताया कि वह अपने एक मित्र के साथ बाइक से देवघर जा रहा था। इसी दौरान तोपचांची बाजार के समीप दो बाइक पर सवार अपराधियों ने उसे रोकने का प्रयास किया। विरोध करने पर अपराधियों ने फायरिंग कर दी, जिसमें दो गोलियां उसके पैरों में लगीं। इसके बाद हमलावर उसकी बाइक लेकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही बाघमारा एसडीपीओ अजीत कुमार बिमल, तोपचांची थाना प्रभारी समेत अन्य पुलिस अधिकारी अस्पताल पहुंचे और घायल से पूछताछ की। जांच के दौरान पुलिस को घायल और उसके साथ मौजूद लोगों के बयान में कई विरोधाभास मिले। इसके बाद पुलिस को संदेह हुआ कि घटना की वास्तविक कहानी कुछ और हो सकती है।

कोयला माफिया और कांग्रेस विधायक की मिलीभगत से हुई दलित महिला की हत्या- अमर बाउरी

रांची, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी ने बोकारो के बेरमो में एक दलित गर्भवती महिला की हत्या मामले को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला है।

झारखंड प्रदेश भाजपा कार्यालय में पार्टी के प्रदेश महामंत्री और पूर्व मंत्री अमर बाउरी ने संवाददाता सम्मेलन का आयोजन किया। जिसमें दलित महिला की हत्या में कोयला माफियाओं और बिना नाम लिए एक कांग्रेस विधायक के मिलीभगत से घटना को अंजाम देने का आरोप लगाया है।

प्रेस एवं मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए अमर बाउरी ने कहा कि घटना को लेकर जब पार्टी की ओर से बोकारो बंद की गई तो प्रशासन ने दबाव में आकर मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया है लेकिन मुख्य आरोपी अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है।

अमर बाउरी ने कहा कि यदि पुलिस प्रशासन मुख्य आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार नहीं करती है तो उनका आंदोलन आगे भी जारी रहेगा।

अमर बाउरी ने वर्तमान हेमंत सोरेन सरकार पर आरोप लगाया कि झारखंड में और खास तौर पर बोकारो में अपराधियों का बोलबाला हो गया है। सरकार के संरक्षण में अपराध हो रहे हैं ऐसे में उन्होंने कहा कि सरकार को इस पर लगाम लगाना चाहिए वरना भाजपा का आंदोलन जारी रहेगा और आने वाले समय में सरकार को इसका जवाब देना होगा।

अमर बाउरी के आरोपों पर पलटवार करते हुए कांग्रेस के प्रदेश मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कहा कि भाजपा, महिला की हत्याकांड पर राजनीति करना बंद करे क्योंकि बीजेपी का इतिहास ही दोषियों को बचाने का रहा है। भाजपा द्वारा बेरमो की दिवंगत अनीता देवी के दुखद निधन को लेकर की जा रही बयानबाजी अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण, भ्रामक और राजनीतिक स्वार्थ से प्रेरित है।

राकेश सिन्हा ने कहा कि एक बेहद संवेदनशील घटना पर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के बजाय भाजपा इसे राजनीतिक हथियार बनाकर अपनी खोयी हुई जमीन तलाशने की कोशिश कर रही है। अमर कुमार बाउरी के आरोपों को पूरी तरह निराधार, तथ्यहीन और दुर्भावनापूर्ण करार देते हुए राकेश सिन्हा ने कहा कि जिस भाजपा को आज कानून-व्यवस्था की चिंता सताने लगी है, वही भाजपा देशभर में दलितों, आदिवासियों और महिलाओं पर बढ़ते अत्याचारों पर चुप्पी साध लेती है। झारखंड की जनता भाजपा के इस दोहरे चरित्र को भली-भांति जानती है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि जब भाजपा के शासन में एक पिता अपनी बेटी के लिए न्याय मांग रहा रहा तब उसे दुत्कार के भगा दिया गया जब तब अमर बाउरी कहां थे? कांग्रेस स्पष्ट करना चाहती है कि अनीता देवी प्रकरण में राज्य सरकार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई की है, पुलिस द्वारा आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है तथा जांच जारी है। यदि किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता सामने आती है तो उसके विरुद्ध भी कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई होगी। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे उसका राजनीतिक या सामाजिक प्रभाव कितना भी बड़ा क्यों न हो।

भाजपा द्वारा स्थानीय विधायक, प्रशासन और कांग्रेस पार्टी पर लगाए गए आरोप केवल राजनीतिक हताशा का परिणाम हैं। भाजपा को यह बताना चाहिए कि वह किस आधार पर जांच पूरी होने से पहले लोगों को दोषी घोषित कर रही है। क्या भाजपा न्यायिक प्रक्रिया और कानून के शासन में विश्वास नहीं रखती?

विश्वासखानी में शुद्ध पेयजल प्लांट की सौगात

गोड्डा, एजेंसी। झारखंड के गोड्डा जिले के महागामा प्रखंड के विश्वासखानी गांव को शुद्ध पेयजल प्लांट लगाने के लिए चुना गया है। इस खबर से पूरे गांव में खुशी का माहौल है। गोड्डा लोकसभा क्षेत्र में लगभग तीन लाख लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की महत्वाकांक्षी योजना के तहत विश्वासखानी का नाम शामिल होने के बाद ग्रामीणों ने इसे क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि बताया है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में वर्षों से शुद्ध पेयजल की समस्या बनी हुई है। कई परिवार आज भी चापाकल और अन्य जलस्रोतों पर निर्भर हैं, जहां गर्मी के मौसम में पानी की किल्लत बढ़ जाती है। कई बार खराब पानी के कारण लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का भी सामना करना पड़ता है। ऐसे में गांव में शुद्ध पेयजल प्लांट लगने से लोगों को स्वच्छ और सुरक्षित पानी आसानी से उपलब्ध हो सकेगा। ग्रामीणों ने बताया कि पेयजल प्लांट स्थापित होने से न केवल गांव के लोगों को लाभ मिलेगा, बल्कि आसपास के क्षेत्रों के लोग भी इसका फायदा उठा सकेंगे।

तोपचांची सीएचसी में एक्सपायरी दवाओं का खुलासा, चार कर्मियों पर गिरी गाज

धनबाद, एजेंसी। तोपचांची सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक्सपायरी दवाएं मिलने के मामले ने स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। डीएमएफटी टीम की जांच में दवा प्रबंधन और स्टोर संचालन में गंभीर लापरवाही उजागर होने के बाद प्रशासन हरकत में आया है। उप विकास आयुक्त के निर्देश पर चार स्वास्थ्यकर्मियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। वहीं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी अस्पताल की व्यवस्था पर नाराजगी जताते हुए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। तोपचांची के साहूबहियार स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का हाल ही में डीएमएफटी टीम ने निरीक्षण किया था। जांच के दौरान अस्पताल के स्टोर में कई एक्सपायरी दवाएं पाई गईं। टीम ने इसे गंभीर प्रशासनिक चूक मानते हुए अपनी रिपोर्ट में संबंधित कर्मियों की जवाबदेही तय की। रिपोर्ट में स्टोर इंचार्ज, डेंटल मेडिकल ऑफिसर, फार्मेसी इंचार्ज और जीएनएम की भूमिका पर सवाल उठाए गए हैं।

जांच रिपोर्ट मिलने के बाद उप विकास आयुक्त के निर्देश पर सीएचसी प्रभारी डॉ। श्वेता गुंजन ने डेंटल एमओ डॉ। राज शेखर भट्टाचार्य, स्टोर इंचार्ज शेखर सुमन, जीएनएम सोनामुनी अड्डी और फार्मेसी इंचार्ज मो। तनवीर आलम को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सभी से निर्धारित समय सीमा के भीतर स्पष्टीकरण देने को कहा गया है। मामले की जानकारी सिविल सर्जन सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी और उप विकास आयुक्त को भी भेज दी गई है।

इधर, टुंडी विधायक प्रतिनिधि जगदीश चौधरी ने अस्पताल की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि सीएचसी में लंबे समय से लापरवाही की शिकायतें मिलती रही हैं। उनका आरोप है कि कई कर्मचारी वर्षों से एक ही जगह पदस्थापित हैं, जिससे कार्य संस्कृति और जवाबदेही दोनों प्रभावित हो रही हैं।

सिकिदिरी जेवर दुकान चोरी का खुलासा

चार अपराधी गिरफ्तार, आभूषण भी बरामद

रांची, एजेंसी। जिला के सिकिदिरी थाना क्षेत्र में हुए जेवर दुकान में चोरी मामले में पुलिस को सफलता हाथ लगी है। सिल्ली डीएसपी मनीष चन्द्र लाल के नेतृव में हुई कार्रवाई में जेवर दुकान में चोरी करने वाले चार अपराधी पकड़े गए हैं। वहीं चोरी गए लाखों के गहने भी पुलिस ने बरामद किए हैं।

रांची के सिल्ली डीएसपी मनीष चन्द्र लाल ने बताया कि 27 मई को सिकिदिरी बस स्टैंड के पास हुंडरू फॉल मेन रोड पर स्थित दुकान सोनी ज्वेलर्स में गैस कटर मशीन से ताला काटकर चांदी के आभूषण चोरी कर ली गयी। दुकान मालिक शशिकांत ने मामले को लेकर अज्ञात के विरुद्ध सिकिदिरी थाना कांड सं0 18/26 दिनांक- 27/05/2026 धारा 305/331 (1) ब्र्न्हा।स। दर्ज कराया गया।

इस कांड के अनुसंधान एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए एक टीम का गठन किया गया। छापामारी दल द्वारा त्वरित कारवाई करते हुए तकनीकी अनुसंधान एवं विशेष सूचना के आधार पर कांड का उद्भेदन किया गया है। जिसमें पांच अभियुक्तों की संलिप्तता पाई गयी। जिसके बाद छापामारी दल में शामिल पुलिसकर्मियों द्वारा कांड में शामिल चार अभियुक्त अरमान अंसारी, फरहान अंसारी, एजाज शाह और हसनैन अंसारी को गिरफ्तार किया गया।

इनकी निशानदेही पर घटना में अभियुक्तों द्वारा दुकान से चोरी गए आभूषण एवं घटना में प्रयुक्त किये गए कार, गैस कटर मशीन साथ सिलेंडर एवं मोटरसाइकिल तथा अभियुक्तों के मोबाइल बरामद किया गया है। इस कांड में एक अभियुक्त फिरार है जिनकी गिरफ्तारी के लिए छापामारी/अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि इस घटना को अंजाम देने से कुछ दिन पहले अभियुक्तों द्वारा घटनास्थल की रेकी की गयी थी। 26 मई की रात्रि में घटना को अंजाम देने के लिए बाइक एवं कार से वहां पर पांच लोग पहुंचे, फिर थाना के पास 01 व्यक्ति को निगरानी के लिए लगाया गया। दूसरे व्यक्ति को ज्वेलर्स दुकान के दोनों साइड निगरानी में लगाया गया।

इसके बाद शेष दो व्यक्ति गैस कटर मशीन से सोनी ज्वेलर्स का ताला काटकर दुकान के अंदर घुसे। वहां दुकान से सोने एवं चांदी आभुषणों को चोरी की और हुंडरू, अनगड़ा होते हुए अपने घर ईरबा चले गये। चोरों को बाद में पता चला कि सोने जैसा दिखने वाला आभुषण वास्तव में सोने का नहीं था जिसे उन्होंने फेंक दिया शेष चांदी के कुछ सिक्कों एवं आभूषणों को उन पांचों के द्वारा आपस में बांट लिया गया एवं कुछ को बेचकर प्राप्त पैसे को बकरीद में खर्च कर दिया गया था।

खराब मौसम के कारण रांची आने वाली चार फ्लाइट्स के बदले रूट, कोलकाता किया गया डायवर्ट

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची में खराब मौसम और प्रतिकूल उड़ान परिस्थितियों के कारण शनिवार को रांची आने वाली चार विमानों को कोलकाता डायवर्ट करना पड़ा। एयर ट्रैफिक कंट्रोल रांची के अनुसार यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए यह निर्णय लिया गया। डायवर्ट की गई उड़ानों में इंडिगो की फ्लाइट (कोलकाता-रांची) शामिल है, जिसे वापस कोलकाता भेज दिया गया। इसका वास्तविक आगमन समय 11:59 बजे दर्ज किया गया। इसके अलावा इंडिगो की फ्लाइट (दिल्ली-रांची) को भी कोलकाता डायवर्ट किया गया। इस विमान का एटीए11:30 बजे रहा।

इस विमान में रांची के भाजपा सांसद सह केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ भी सवार थे। वहीं एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट बेंगलुरु-रांची) को 11:29 बजे तथा एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट (दिल्ली-रांची) को 11:40 बजे कोलकाता की ओर मोड़ दिया गया। हवाई अड्डा प्रबंधन के अनुसार मौसम सामान्य होने के बाद उड़ानों के संचालन को लेकर संबंधित एयरलाइंस द्वारा आगे का निर्णय लिया जाएगा। अचानक हुए डायवर्जन से कई यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ा। हालांकि, सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए एटीसी और एयरलाइंस ने आवश्यक कदम उठाए।

रांची एयरपोर्ट के जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार शुक्ला ने बताया कि मौसम प्रतिकूल होने के कारण रांची आने वाली चार उड़ानों को कोलकाता डायवर्ट किया गया। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। मौसम में सुधार और परिचालन स्थितियां अनुकूल होने के बाद संबंधित एयरलाइंस आगे की कार्रवाई करेंगी। एयरपोर्ट प्रबंधन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

बता दें कि मौसम केंद्र रांची ने पूर्वानुमान जताया था कि 30 मई को रांची और आसपास के जिलों में तेज हवा, मेघ गर्जन और वज्रपात के साथ बारिश हो सकती है। सुबह होते ही रांची के आसमान में बादल उमड़ आए और तेज हवाएं चलने लगी। इस दौरान जोर-जोर से बिजली कड़क रही थी और तेज बारिश होने लगी। मौसम में इस कदर बदलाव आया कि दिन में अंधेरा जैसा छा गया। इसी वजह से सुरक्षा के मद्देनजर विमानों को डायवर्ट किया गया।

रांची से गायब मां-बेटी आरा से बरामद, किसने मांगी थी फिरौती, जांच जारी

सुनीता देवी

काजल कुमारी

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के धुर्वा इलाके से रहस्यमय तरीके से गायब हुई मां-बेटी बिहार के आरा से बरामद कर ली गई है। मां-बेटी के गायब होने के बाद एक व्यक्ति के द्वारा एक लाख की फिरौती मांगी गई थी। फिलहाल पुलिस इस मामले की हर एंगल से जांच कर रही है। मां-बेटी के एक साथ गायब होने के बाद पिता ने उनकी तलाश के लिए एक पोस्टर भी जारी किया था।

दरअसल, झारखंड पुलिस में कार्यरत सुधीर कुमार सिंह की पत्नी और बेटी रहस्मय तरीके से शनिवार को रांची से गायब हो गई थी। मां सुनीता देवी और 19 साल की बेटी काजल कुमारी के एक साथ गायब होने की सूचना पर सुधीर सिंह ने रांची के धुर्वा थाने में गुमसुदगी का एफआईआर दर्ज करवाया था।

रांची के हटिया डीएसपी नीरज कुमार ने बताया कि मां और बेटी को सकुशल बिहार के आरा जिले से बरामद किया गया है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि उनका अपहरण नहीं हुआ था। वे दोनों किन परिस्थितियों में बिहार पहुंची थी, इसकी जांच की जा रही है। वहीं, दूसरी तरफ नीरज कुमार ने बताया कि उनकी बेटी और पत्नी सकुशल है। नीरज के अनुसार एक अज्ञात व्यक्ति के द्वारा लगातार उन्हें और उनके बेटे को फोन कर एक लाख रुपये की फिरौती मांगी जा रही थी। जिस नंबर से नीरज को फिरौती के लिए फोन आया था, उस नंबर की जांच भी पुलिस के द्वारा की जा रही है।

पुलिस जांच में यह बात सामने आ चुकी है कि मां और बेटी का अपहरण तो नहीं हुआ। ऐसे में जांच का विषय यह है कि फिर आखिरकार किसके द्वारा फिरौती की रकम मांगी जा रही थी। सुधीर सिंह के अनुसार हाल के दिनों में उनकी पत्नी और बेटी दोनों साइबर अपराधियों का शिकार बनी थी, जिसमें साइबर अपराधियों ने ब्लैकमेल कर उनसे 80 हजार ठग लिए थे। पुलिस इस मामले में साइबर अपराधियों का एंगल रखकर भी जांच कर रही है।

पलामू के अधिकारी नहीं तैयार कर पा रहे हैं रिपोर्ट! सांसद विष्णुदयाल राम ने लगाई फटकार

पलामू, एजेंसी। जिले के अधिकारी मानक के अनुसार किसी भी रिपोर्ट को तैयार नहीं कर पा रहे हैं। अधिकारी अनुपालन प्रतिवेदन के साथ-साथ अपडेट रिपोर्ट बनाने में भी असफल हैं। इसका खुलासा रविवार को डिस्टिक डेवलपमेंट कोऑर्डिनेशन एंड मॉनिटरिंग (दिशा) की बैठक में हुआ है। बैठक में पलामू सांसद विष्णुदयाल राम ने अनुपालन प्रतिवेदन एवं विभागीय रिपोर्ट को लेकर अधिकारियों को फटकार लगाई है।

दिशा की बैठक में कहा गया कि पलामू केंद्र सरकार की आकांक्षी जिलों की सूची में शामिल है। जिले को बेहतर करके सैचुरेटेड जिला की श्रेणी में शामिल किया जाना है। इस दौरान केंद्र सरकार द्वारा गठित चार सदस्यीय समिति के समक्ष रिपोर्ट रखा गया, जिसमें समिति के द्वारा कई बिंदुओं पर सुधार करने का निर्देश दिया गया है।

बैठक में पाया गया कि बिजली विभाग के द्वारा किराए पर दिए गए मकान के डिड होने के बावजूद मालिक पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। बैठक में सांसद विष्णुदयाल राम की तरफ से निर्देश जारी किया गया कि जो भी दोषी हैं, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए।

बैठक की अध्यक्षता पलामू के सांसद विष्णुदयाल राम ने किया। बैठक में राज्य सरकार के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, विधायक डॉक्टर शशीभूषण मेहता, आलोक चौरसिया, नरेश प्रसाद सिंह, डीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, एसपी कपिल चौधरी डीएफओ सत्यम कुमार समेत जिले के सभी अधिकारी मौजूद थे

झारखंड में घुसपैठ से बदली डेमोग्राफी, एनआरसी के लिए केंद्र से करेंगे मांग : बाबूलाल मरांडी

रांची, एजेंसी। राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड में बढ़ती घुसपैठ पर गहरी चिंता जताई है। जमशेदपुर के सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में बड़े पैमाने पर घुसपैठ के कारण डेमोग्राफी में बड़ा बदलाव आया है। इसका सबसे बुरा असर आदिवासी समाज पर पड़ा है। बाबूलाल मरांडी ने स्पष्ट किया कि यदि नागरिकता की स्थिति स्पष्ट नहीं होती है, तो वे केंद्र सरकार से झारखंड में एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर) लागू करने की मांग करेंगे।

बाबूलाल मरांडी ने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि 1951 में राज्य में आदिवासियों की जनसंख्या 35।38 प्रतिशत थी, जो 2011 की जनगणना में घटकर 26।20 प्रतिशत रह गई है। उन्होंने आशंका जताई कि आगामी जनगणना के आंकड़े और भी भयावह हो सकते हैं। उनके अनुसार, बंगाल के रास्ते बांग्लादेशी घुसपैठिए झारखंड में प्रवेश कर रहे हैं और पूरे देश में फैल रहे हैं। उन्होंने कहा कि घुसपैठ रोकने के लिए एनआरसी के अलावा अब कोई दूसरा विकल्प नहीं बचता है।

जामाडोबा फायरिंग केस का खुलासा

मामले में दो आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

धनबाद, एजेंसी। जिले के झरिया पुलिस अनुमंडल अंतर्गत जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के जामाडोबा डुमरी नंबर-2 में हुई गोलीबारी की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि घटना में इस्तेमाल की गई दो मोटरसाइकिलें भी बरामद की गई हैं। रविवार को आयोजित प्रेस वार्ता में सिंदरी एसडीपीओ प्रकाश चंद महतो ने पूरे मामले की जानकारी दी।

एसडीपीओ ने बताया कि 29 मई को डुमरी नंबर-2 निवासी 28 वर्षीय रिक्की सिंह को आपसी रंजिश के दौरान गोली मार दी गई थी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। घटना के बाद घायल की पत्नी चंदा कौर के लिखित आवेदन पर जोड़ापोखर थाना में कांड संख्या 64/26 दर्ज किया गया। मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं और आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई।

घटना की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सिंदरी एसडीपीओ के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया। टीम ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया। जांच के क्रम में पुलिस ने नानक सिंह और आरिफ अंसारी को गिरफ्तार कर लिया। वहीं घटना में प्रयुक्त दोनों बजाज पल्सर 220 मोटरसाइकिलों को बोकारो स्टील रेलवे स्टेशन क्षेत्र से बरामद किया गया।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी अपने अन्य साथियों हर्ष सिंह और गौरव सिंह के साथ रिक्की सिंह के घर के समीप रखे रोपवे केबल को लेने पहुंचे थे। इसी दौरान रिक्की सिंह और उसके भाई विजय उर्फ दारा सिंह के साथ कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया। इसी क्रम में जामाडोबा पेट्रोल पंप के पास हर्ष सिंह ने रिक्की सिंह पर गोली चला दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

जांच के दौरान पुलिस को यह भी जानकारी मिली है कि अतीत में रिक्की सिंह और उसके दोनों भाई गौरव सिंह उर्फ गोपु के साथ विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहे थे।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में दिल्ली हाई कोर्ट बार काउंसिल अध्यक्ष की लग्जरी कार बरामद

नालंदा, एजेंसी। बिहार के नालंदा जिले में लहेरी थाना पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने अंतर्राजीय वाहन चोर गिरोह के 6 सदस्यों को बिहार और झारखंड के विभिन्न जिलों से गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में 2 लग्जरी गाड़ियां बरामद की गईं, जिनमें दिल्ली के सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष की होंडा सिटी कार शामिल है।दिल्ली और बिहार शरीफ की कार बरामद : 23 मई को बिहार शरीफ के मंगला स्थान से चोरी हुई स्कॉर्पियो और 25 मई को दिल्ली से चोरी हुई होंडा सिटी कार पुलिस ने सफलतापूर्वक बरामद कर ली है। गिरोह के सदस्यों के पास से कई अन्य गाड़ियों के नंबर प्लेट भी जब्त किए गए हैं। डीएसपी ने दी पूरी जानकारी : सदर डीएसपी संकेत कुमार ने बताया कि लहेरी थाना क्षेत्र से स्कॉर्पियो चोरी होने की शिकायत मिलने के बाद थानाध्यक्ष रंजीत कुमार रजक के नेतृत्व में टीम गठित की गई। वैज्ञानिक तरीके से जांच की गई और बिहार-झारखंड में छापेमारी कर 6 आरोपियों को पकड़ा गया।

बेगूसराय एनएच-28 पर भीषण सड़क हादसा, 1 बाइक सवार युवक की मौत

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय जिले के फुलवड़िया थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच-28 पर रविवार की शाम एक भीषण सड़क हादसे में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा शांति नगर गाछी टोला के समीप उस समय हुआ जब दो मोटरसाइकिलों के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। दुर्घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया। स्थानीय लोगों के अनुसार दोनों बाइक काफी तेज रफ्तार में थीं। आमने-सामने हुई भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि एक बाइक सवार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक के पास कोई पहचान पत्र नहीं मिलने के कारण देर रात तक उसकी पहचान नहीं हो सकी थी। हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक की पहचान फुलवड़िया थाना क्षेत्र के शोकहारा-दो वार्ड संख्या-07 निवासी तथा वर्तमान में बरौनी नगर परिषद वार्ड संख्या-13 के रहने वाले मनोज राय के 26 वर्षीय पुत्र कृष्ण कुमार के रूप में हुई है। घायल को तत्काल इलाज के लिए बरौनी लाइफ लाइन अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है और उसे वेंटिलेटर पर रखा गया है।

शेखपुरा में पीएम आवास योजना के नाम पर साइबर फ्रॉड

शेखपुरा, एजेंसी। शेखपुरा बरबीघा केवटी थाना इलाके के गंगटी गांव में बनियान का पानी से छिंटा पड़ जाने के विवाद को लेकर एक विवाहिता और उसके 6 वर्षीय बच्चे की हत्या का मामला सामने आया है। इस मामले में मृतिका की पहचान गंगटी गांव निवासी राधे रावत के पुत्र रोहित कुमार की पत्नी विभा देवी एवं 6 वर्षीय बच्ची अभिलाषा कुमारी के रूप में की गई है। इस घटना को लेकर मृतका के पिता मुनेश्वर चौधरी एवं भाई धनंजय चौधरी ने हत्या का आरोप लगाते हुए केवटी थाने में का आवेदन सोपा है। मृतिका का नैहर झारखंड के गढ़वा जिला अंतर्गत हूर गांव बताया गया है।मृतिका की बहन रीता देवी ने बताया कि वर्ष 2016 में हिंदू रीति रिवाज के मुताबिक मृतिका की शादी हुई थी। ससुराल में उसे लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। 6 महीने पहले भी केवटी थाने में लिखित शिकायत की गई थी। उसी वक्त बांड लिखवा कर सुलह कराया गया था। लेकिन रविवार की सुबह ग्रामीनों ने दूरभाष पर किसी ने विवाहित और उसके 6 वर्षीय बच्ची की हत्या की जानकारी दी। जैसे ही वह सूचना पाकर बरबीघा के गंगटी गांव पहुंच, तब वहां उन्हें बच्चे और विवाहिता का सदर अस्पताल शेखपुरा में होने की जानकारी दी गई। सदर अस्पताल पहुंचने पर दोनों को मृत पाया गया। पीड़ित परिजनों ने आरोप लगाया कि बनियान के पानी का छीटा पड़ने के बाद विवाहिता की सास सुलेखा देवी के साथ विवाद हुआ था।

सरकार विपक्ष को टारगेट कर रही', बीजेपी नेता ने लगाया आरोप- मुख्यमंत्री पीएम से भी बड़े बंगले में रह रहे

पटना, एजेंसी। राबड़ी आवास खाली करने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस मुद्दे पर राजनीतिक बयानबाजी थमने का नाम नहीं ले रही है। इस बीच आरजेडी नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भड़ास निकाली। अब्दुल बारी सिद्दीकी ने कहा, बिहार में सत्ताधारी दल का मानना है कि विपक्ष का काम है, सरकार की हां में हां मिलाना। अगर ऐसा नहीं किया गया तो विपक्ष को टारगेट किया जाता है। उन्होंने यह भी कहा, सरकार को गरीबी कम करने और कर्जमुक्त करने पर दिमाग लगाना चाहिए था लेकिन ओपोजिशन को टारगेट किया जा रहा है। यह डेमोक्रेसी के लिए अच्छा नहीं है। सरकार दिखा रही है कि अगर तुम चुप नहीं रहे तो तुम्हारा घर ले लेंगे, तुम्हारी सुविधा ले लेंगे। इस तरह से अब्दुल बारी सिद्दीकी ने भड़ास निकाला। राबड़ी देवी को बंगाल खाली करने का नोटिस मिलने के बाद विपक्ष लगातार सरकार पर निशाना साध रही है।

भूटान से तस्करी कर बिहार लाई गई शराब

मुजफ्फरपुर में चल रहा था 'असली से नकली' का खेल

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। शराबबंदी वाले बिहार में शराब तस्कर नए-नए तरीके अपनाकर कारोबार को अंजाम देने में जुटे हैं। मुजफ्फरपुर में इस बार शराब तस्करी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां भूटान से तस्करी कर लाई गई विदेशी शराब को नामी कंपनियों के ब्रांडेड बोतलों में भरकर बाजार में खपाने की तैयारी चल रही थी। हालांकि, समय रहते उत्पाद विभाग की टीम ने छापेमारी कर इस पूरे खेल का खुलासा कर दिया।

पश्चिम बंगाल के रास्ते भूटान से आई थी बिहार : मौके से भूटान निर्मित शराब की बड़ी खेप के साथ हजारों खाली बोतलें, रैपर, ढक्कन और बारकोड बरामद किए गए हैं। हालांकि, कार्रवाई की भनक लगते ही कारोबारी फरार हो गया। उत्पाद विभाग की शुरुआती जांच में सामने आया है कि शराब की खेप भूटान से अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर पश्चिम बंगाल के रास्ते बिहार पहुंची थी।

भूटान से मुजफ्फरपुर तक पहुंची शराब की खेपः इसके बाद अलग-अलग मार्गों से इसे मुजफ्फरपुर लाया गया, जहां इसे नकली ब्रांडेड शराब के रूप में तैयार कर बाजार में सप्लाई की योजना थी। उत्पाद विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि अहियापुर थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव के पास एक झोपड़ी में शराब तैयार करने का अवैध काम चल रहा है।

छापेमारी से हुआ खुलासा : सूचना के आधार पर उत्पाद इंस्पेक्टर दीपक कुमार सिंह के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम ने छापेमारी की तो अंदर का नजारा देखकर अधिकारी भी हैरान रह गए। छापेमारी के दौरान टीम ने बड़ी मात्रा में शराब के कार्टन, हजारों की संख्या में खाली बोतलें, ब्रांडेड कंपनियों के रैपर, ढक्कन और शराब की बोतलों पर लगाए जाने वाले बारकोड बरामद किए। मौके से जब्त कई बोतलों पर लिखा मिला, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि शराब भूटान निर्मित थी।

नकली ब्रांड तैयार करने की थी तैयारी : जांच में सामने आया है कि भूटान से लाई गई शराब को नामी ब्रांड की बोतलों में भरकर नकली लेबल लगाए जा रहे थे। इसके जरिए शराब को महंगे दामों में बाजार में बेचने की तैयारी थी। उत्पाद विभाग को आशंका है कि यह काम किसी बड़े नेटवर्क के जरिए संचालित किया जा था। छापेमारी की भनक लगते ही कारोबारी मौके से फरार हो गया।

तस्कर की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी : फिलहाल उत्पाद विभाग की टीम उसकी पहचान कर गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। मामले में स्थानीय नेटवर्क की भी जांच की जा रही है। उत्पाद इंस्पेक्टर दीपक कुमार सिंह ने बताया कि ''मौके से बरामद शराब भूटान निर्मित है। शराब को ब्रांडेड कंपनियों के रैपर लगाकर नकली तरीके से तैयार किया जा रहा था। टीम ने शराब की खेप, खाली बोतलें, ढक्कन, रैपर और बारकोड जब्त किए हैं। फरार कारोबारी की पहचान कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।''

8वीं तक मान्यता, लेकिन 10वीं तक पढ़ाई, सेंट जोसेफ चिल्ड्रेन अकादमी बेगूसराय पर उठे बड़े सवाल

मंझौल, एजेंसी। बेगूसराय जिले के चेरिया बरियारपुर प्रखंड अंतर्गत मंझौल पंचायत-2 स्थित सेंट जोसेफ चिल्ड्रेन अकादमी एक बार फिर चर्चा में है। आरोप है कि विद्यालय को केवल आठवीं कक्षा तक की मान्यता प्राप्त है, लेकिन यहां नौवीं और दसवीं कक्षा तक की पढ़ाई कराई जा रही है। इस मामले ने अभिभावकों और स्थानीय लोगों के बीच चिंता बढ़ा दी है तथा शिक्षा व्यवस्था पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस विद्यालय को कथित तौर पर केवल कक्षा आठ तक की संबद्धता प्राप्त है, वहां खुलेआम नौवीं और दसवीं की पढ़ाई कराई जा रही है। यदि यह आरोप सही हैं तो यह न केवल नियमों की अनदेखी है, बल्कि छात्रों के भविष्य के साथ भी बड़ा जोखिम माना जा सकता है।

क्षेत्र में यह चर्चा जोरों पर है कि आखिर आठवीं तक मान्यता रखने वाला विद्यालय उच्च कक्षाओं का संचालन किस अनुमति के तहत कर रहा है। लोगों का सवाल है कि क्या शिक्षा विभाग को इसकी जानकारी नहीं है या शिकायतों के बावजूद मामले को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। अभिभावकों को आशंका है कि कहीं प्रशासनिक लापरवाही का खामियाजा उनके बच्चों को न भुगतना पड़े।

अभिभावकों का कहना है कि वे भरोसे के साथ अपने बच्चों को विद्यालय भेजते हैं। ऐसे में यदि मान्यता और संबद्धता से जुड़े नियमों का पालन नहीं हो रहा है, तो छात्रों की पढ़ाई और भविष्य दोनों प्रभावित हो सकते हैं। लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर सच्चाई सामने लाने की मांग की है।स्थानीय लोगों ने विद्यालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए हैं। आरोप है कि स्कूल परिसर में कई जगह बिजली के बोर्ड क्षतिग्रस्त हैं और कुछ स्थानों पर तार खुले पड़े हैं। ऐसे हालात में बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है तथा किसी भी समय दुर्घटना की आशंका जताई जा रही है।

बिहार के विश्वविद्यालयों में स्नातक का शैक्षणिक कैलेंडर जारी,

कुलपतियों को राज्यपाल का खास निर्देश

पटना, एजेंसी। बिहार के सभी विश्वविद्यालयों में स्नातक स्तर पर अब एक समान शैक्षणिक कैलेंडर लागू होगा। राज्यपाल सह कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल सैय्यद अता हसनैन ने सभी विश्वविद्यालयों को इसे तुरंत लागू करने का निर्देश दिया है। इसके तहत 30 जून तक नामांकन प्रक्रिया पूरी करनी होगी और 1 जुलाई से कक्षाएं शुरू हो जाएंगी।

शैक्षणिक कैलेंडर का हो पालनः राजभवन सचिवालय द्वारा जारी आदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन और विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक अनुशासन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है। सभी कुलपतियों को निर्देश दिया गया है कि शैक्षणिक कैलेंडर का पालन किया जाए। केवल असाधारण परिस्थितियों में अधिकतम 7 दिन का विचलन स्वीकार्य होगा।

सेमेस्टर सिस्टम को मिलेगा नया रूपः नए कैलेंडर के अनुसार ऑड सेमेस्टर (1, 3, 5 एवं 7) जुलाई से दिसंबर तक और इवेन सेमेस्टर (2, 4, 6 एवं 8) जनवरी से जून तक चलेंगे। पहले सेमेस्टर का नामांकन 1 मई से शुरू होकर 30 जून तक चलेगा। कक्षाएं 1 जुलाई से शुरू होंगी।

महत्वपूर्ण तारीख तयः मध्य सेमेस्टर परीक्षा 11 से 16 सितंबर, कक्षाएं 20 नवंबर को समाप्त होंगी। प्रायोगिक परीक्षा 20 से 26 नवंबर और मुख्य परीक्षा 27 नवंबर से 16 दिसंबर तक होगी। परिणाम 10 जनवरी को घोषित किए जाएंगे। इसी तरह अन्य ऑड सेमेस्टर की भी यही व्यवस्था रहेगी।

इवेन सेमेस्टर की समय-सारणीः दूसरे, चौथे, छठे और आठवें सेमेस्टर का नामांकन 4 जनवरी से शुरू होकर 9 जनवरी तक चलेगा। कक्षाएं 4 जनवरी से शुरू होंगी। मध्य सेमेस्टर परीक्षा 15-20 मार्च, कक्षाएं 30 अप्रैल को खत्म होंगी। प्रायोगिक परीक्षा 1-6 मई और सैद्धांतिक परीक्षा 6 से 24 मई तक होगी। परिणाम 20 जून को जारी होंगे।

छात्रों को मिलेगा बेहतर अवसरः यह व्यवस्था राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मल्टीपल एंट्री-एग्जिट सिस्टम को प्रभावी बनाने में सहायक सिद्ध होगी। छात्रों को अब शैक्षणिक गतिशीलता, क्रेडिट ट्रांसफर और बेहतर अवसर मिल सकेंगे।

कई कैलेंडरों से मिलेगी राहतः पहले बिहार के विश्वविद्यालयों में अलग-अलग शैक्षणिक कैलेंडर होने के कारण छात्रों को नामांकन, परीक्षा और रिजल्ट में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। कई विश्वविद्यालयों में सत्र काफी विलंब से चलते थे। अब एकरूपता आने से यह समस्या समाप्त हो जाएगी।

उच्च शिक्षा में अनुशासन और गुणवत्ता बढ़ेगीः राजभवन का यह कदम बिहार की उच्च शिक्षा व्यवस्था को बेहतर और अनुशासित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सभी विश्वविद्यालयों को आगामी सत्रों में भी इस कैलेंडर का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

बिहार में तालाब की खुदाई में मिली 800 साल पुरानी दुर्लभ प्रतिमा, मां सीता से जुड़ा है स्थल

मधुबनी, एजेंसी। बिहार के मधुबनी में खुदाई के दौरान 800 साल पुरानी दुर्लभ प्रतिमा निकली है। मामला हरलाखी प्रखंड अंतर्गत फुलहर गांव का है। प्रतिमा निकलने के बाद इलाके में इसकी चर्चा तेज हो गयी है। इसकी जानकारी मिलते ही पर्यटन विभाग के आर्किटेक्ट माधव भारद्वाज ने स्थल का जायजा लिया। सबसे पहले उन्होंने निर्माण स्थल का निरीक्षण किया और इसके बाद तालाब खुदाई के दौरान निकले अवशेष को देखा।

विशेषज्ञ की जांच और पहचानः आर्किटेक्ट ने बताया कि देखने से प्रतीत होता है कि यह अवशेष 12वीं शताब्दी के आसपास का है। उन्होंने इसे बौद्ध देवी तारा की भग्न प्रतिमा बताया। उन्होंने कहा कि प्रतिमा पर प्रसिद्ध बौद्ध श्लोक लिखा गया है। इसे बौद्ध धर्म में 'धर्म मंत्री' भी कहा जाता है। फिलहाल इसकी जानकारी आर्कियोलॉजिकल विभाग को दे दी गयी है।

डीएम से संग्रहित करने की मांगः इंटैक बिहार स्टेट के कन्वेनर शिव कुमार मिश्र ने भी इसकी पुष्टि की है कि यह भंग प्रतिमा बौद्ध देवी तारा की है। उन्होंने मधुबनी डीएम आनंद शर्मा से प्रतिमा को संग्रहित करने की मांग की है। साथ ही उसे संग्रहालय में रखवाने की अपील की है। उन्होंने बताया कि खुदाई में कई पुरावशेष निकलने की संभावना है।

मधुबनी के हरलाखी प्रखंड अंतर्गत फुलहर गांव स्थित 'बागतराग' है। बागतराग यानि बाग और तालाब से है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार फुलहर गांव में ऐतिहासिक तालाब है, जिसके चारों तरफ प्राचीन काल में उपवन था। मिथिला नरेश जनक के महल के नजदीक अवस्थित इस उपवन में तरह-तरह के फूल और फल के वृक्ष थे। यह स्थल भगवान श्रीराम व माता जानकी की प्रथम मिलन स्थली के रूप में जाना जाता है।माना जाता है कि मां जानकी इस उपवन में फूल लोढ़ने के लिए आती थीं। इसलिए सरकार इस रामायणकालीन स्थल को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का काम कर रही है।

बिहार में दर्दनाक हादसा, पीपल के पेड़ पर बना था साड़ी का झूला

खेलने के दौरान किशोर की मौत

पटना, एजेंसी। बिहार के फुलवारी शरीफ में एक दर्दनाक हादसे में 14 वर्षीय किशोर की जान चली गई। पीपल के पेड़ पर साड़ी से बने झूले पर खेलते समय साड़ी उसके गले में फंस गई, जिससे दम घुटने से उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा है, जबकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

गले में फंसा साड़ी से बना झूलाः पुलिस के मुताबिक, 14 वर्षीय आदित्य कुमार घर के पास एक पीपल के पेड़ पर खेल रहा था। इस दौरान साड़ी से बने झूले पर वह अकेला मौजूद था। साड़ी उसके गले में कस गई, जिससे उसकी सांसें थम गईं। मामला बिहार के दानापुर के फुलवारी शरीफ के मंझौली गांव का है।

कोई नहीं कर पाया मददः स्थानीय लोगों ने बताया कि आदित्य कुमार अकेला था, ऐसे में समय पर कोई उसकी मदद नहीं कर पाया और दम घुटने से उसकी मौत हो गई। किसी राहगीर ने आदित्य को लटका हुआ देखा तो परिवार को इसकी सूचना दी।

अकेले झूला झूल रहा था किशोरः परिजनों ने बताया कि, एक शख्स ने फोन कर उन्हें इसकी जानकारी दी। पार्क में पहुंचकर, परिजनों ने आदित्य को नीचे उतारा और आनन-फानन में उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। हालांकि, डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। रोज बच्चे समूह में वहां जाते थे, लेकिन घटना वाले दिन वह अकेला ही गया था।

क्या कहते हैं परिजनः परिजनों ने बताया कि, सभी बच्चे रोजाना पीपल के पेड़ के पास खेलने जाते थे। पेड़ पर ही साड़ी से एक झूला बनाया गया था, जिस पर बच्चे झूलते थे, लेकिन घटना के वक्त आदित्य अकेला था। वहां कोई अन्य बच्चा मौजूद नहीं था। पता नहीं कैसे साड़ी उसकी गर्दन में कस गई और उसकी मौत हो गई।

प्रेम, भक्ति और दिव्य आनंद

वृंदावन में गोपियों संग मुरली बजाते दिखे तेज प्रताप

पटना, एजेंसी। तेज प्रताप यादव हमेशा अपने अनोखे अंदाज के लिए मसहूर हैं। इन दिनों तेज प्रताप वृंदावन के दौरे पर हैं। इसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से दी। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर एक वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें वे वृंदावन में मुरली बजाते नजर आ रहे हैं। उनके चारो ओर गोपियां नृत्य कर रही हैं। फर्श पर गुलाब की पंखुड़ियां बिछी हुई है। तेज प्रताप मुरली बजाते हुए उसके धुन में मग्न हैं।

वंशीवट के दिव्य धाम पर तेज प्रतापः अपने सोशल मीडिया पर उन्होंने लिखा कि।।'वृंदावन के पावन धाम में स्थित वंशीवट वह दिव्य स्थान माना जाता है। जहां भगवान श्रीकृष्ण अपनी मधुर बांसुरी बजाते थे। बांसुरी की मोहक धुन सुनकर गोपियां और भक्त उनकी ओर खिंचे चले आते थे। मान्यता है कि यहीं से भगवान श्रीकृष्ण ने प्रेम, भक्ति और दिव्य आनंद का संदेश दिया। आज भी वंशीवट श्रद्धालुओं के लिए आस्था, प्रेम और कृष्ण-भक्ति का पवित्र प्रतीक है।'

मां विंध्यवासिनी के दर पर हाजिरीः बिहार विधानसभा चुनाव में हार मिलने के बाद तेज प्रताप यादव तीर्थ यात्रा पर निकले हुए हैं। बीते दिनों मां विंध्यवासिनी मंदिर में पूजा अर्चना करने के बाद सोशल मीडिया पर तस्वीर पोस्ट की। उन्होंने लिखा।।पावन धरती मां विंध्यवासिनी मंदिर के दिव्य धाम में पहुंचकर मन भक्तिभाव से भर गया। उन्होंने पूरे बिहारवासियों और देशवासियों की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की।

काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा-अर्चनाः इससे पहले काशी विश्वनाथ मंदिर भी पहुंचे थे। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि भगवान महादेव की पावन नगरी काशी विश्वनाथ मंदिर में जाकर बाबा विश्वनाथ के दर्शन और पूजा-अर्चना करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। बता दें कि तेज प्रताप यादव सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं।

सत्ता पक्ष को टैग करते हैं तेज प्रतापः हैरान करने वाली बात है कि जब भी तेज प्रताप यादव कुछ पोस्ट करते हैं तो बिहार सीएम सम्राट चौधरी, बिहार के पूर्व सीएम नीतीश कुमार, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री अमित शाह को जरूर टैग करते हैं।

अपने परिवार से अलग हैं तेज प्रतापः बता दें कि अनुष्का यादव प्रकरण के बाद तेज प्रताप यादव को लालू यादव ने अपने परिवार के साथ अपनी पार्टी राजद से निष्कासित कर दिया था। इसके बाद तेज प्रताप यादव अपनी अलग पार्टी बनाकर बिहार विधानसभा चुनाव में उतरे थे, लेकिन उन्हें हार मिली थी। तेज प्रताप महुआ से चुनाव लड़े थे और इनके और कैंडिडेट चुनाव लड़े थे, लेकिन किसी को कामयाबी हाथ नहीं मिली।

बिहार का 'रक्तरंजित गांव' जहां रिश्तेदारों ने ही 40 साल तक लिखी खून और बदले की दास्तान

गयाजी, एजेंसी। बिहार के गया जिले की पहाड़ियों के बीच बसा मंझौली गांव आज भले शांत दिखाई देता हो, लेकिन इसकी मिट्टी में दफन कहानियां किसी क्राइम थ्रिलर फिल्मों से कम नहीं हैं। यह वही गांव है, जहां कभी बंदूक की आवाज सुबह की अजान और मंदिर की घंटियों से ज्यादा सुनाई देती थीं। एक ऐसा गांव, जिस पर कभी 'विधवा गांव' का दाग भी लग चुका था।

जब गांव की पहचान बन गया था 'खून' : जिला मुख्यालय से करीब 50 किलोमीटर दूर स्थित इस गांव में एक समय ऐसा आया जब लोग गांव का नाम सुनते ही सहम जाते थे। दो दर्जन से ज्यादा हत्याएं, बदले की आग और बर्चस्व की लड़ाई ने पूरे इलाके को दहला कर रख दिया था। यहां दुश्मन बाहर से नहीं आते थे, दुश्मनी घरों के अंदर पड़ोस में ही पलती थी।

खतरनाक है गांव का रक्तरंजिश इतिहास : 1980 के दशक में गांव में दो नाम सबसे ज्यादा चर्चित थे-मुस्लिम मियां और परसादी पासवान। दोनों गहरे दोस्त थे। लेकिन एक चोरी की घटना ने दोस्ती में ऐसी दरार डाली कि आगे चलकर पूरा गांव दो खेमों में बंट गया। कहते हैं कि इसी दौर में मुस्लिम मियां ने एक प्रभावशाली जनप्रतिनिधि के पिता की हत्या कर दी। यह हत्या केवल एक अपराध नहीं थी, बल्कि उस खूनी अध्याय की शुरुआत थी जिसने आने वाले दशकों तक गांव को रक्तरंजित रखा।

धड़ मिला, लेकिन सिर का राज कभी नहीं खुला : कुछ महीनों बाद मुस्लिम मियां की भी हत्या कर दी गई। गांव के लोगों के अनुसार उनका धड़ तो गांव के बाहर एक कुएं के पास मिला, लेकिन सिर आज तक नहीं मिल सका। पुलिस ने भी सिर खोजने में काफी मशक्कत की लेकिन अब इस गांव में मर्डर का यही उसूल बन गया। यहीं से गांव में एक खौफनाक परंपरा शुरू हुई। बुजुर्ग बताते हैं कि कई बार हत्याओं के बाद सिर धड़ से अलग कर अपराधी उसे लेकर घूमते थे। गांव में दहशत पैदा करने के लिए यह सबसे बड़ा हथियार बन गया था। किशोरी सिंह के पिता की हत्या के कुछ महीनों बाद मुस्लिम मियां की हत्या कर दी गई थी, उनकी हत्या गांव से ही कुछ दूरी पर हुई थी। मुस्लिम मियां का शरीर तो गांव से कुछ दूरी पर ही एक कुंए मिला था, लेकिन उस का सिर आज तक पता नहीं चला कि उसके सिर का क्या हुआ? यहीं से गांव में हत्या की शुरुआत हुई।''

बदले की आग में झुलसते गए परिवार : 40 साल तक एक हत्या के बदले दूसरी हत्या, फिर तीसरी और फिर चौथी। गांव में ऐसा दौर आया जब हर मौत अगले कत्ल की भूमिका लिखती थी। रिश्तेदार, भाई, चाचा, भांजा-कोई सुरक्षित नहीं था। सब पर शक था और सभी संदेह के दायरे में थे। पूरे गांव का भरोसा डिगा हुआ था।

एक के बाद एक हत्याओं से दहला बिहार : मुस्लिम मियां के बाद उनके तीन भाइयों असगर मियां, वकील मियां और खलील मियां की हत्या हुई। फिर मुख्तार आलम, कैयूम मियां, प्यारो मियां, अबुलैस मियां, कमलेश समेत कई लोग इस खूनी संघर्ष में मारे गए। एक के बाद एक गिरती लाशों से दहशत हर बार बढ़ती जा रही थी, उससे भी ज्यादा बदले की भावना मजबूती पकड़ रही थी।

गैंगवार के डर से गांव छोड़कर भागे ग्रामीण : लगातार हो रही हत्याओं ने लोगों को इतना डरा दिया कि कई परिवार गांव छोड़कर दूसरे शहरों और राज्यों में बस गए। कुछ वर्षों बाद लौटे, लेकिन कई लोग आज तक वापस नहीं आए। स्थानीय लोगों के मुताबिक उस समय शाम ढलते ही गांव की गलियां सुनसान हो जाती थीं। हर किसी को डर था कि अगला निशाना कहीं वह या उसका परिवार न हो।

संक्षिप्त समाचार

करंट लगने पर 35 फीट ऊपर से गिरा संविदा लाइनमैन, मौत

कानपुर, एजेंसी। महाराजपुर थानाक्षेत्र के यूपीएसआईडीसी–2 चकेरी में रविवार को ट्रांसफार्मर का फॉल्ट ठीक करने के लिए 35 फीट ऊंचाई पर चढ़ा संविदा कर्मी करंट लगने से नहीं आ गिरा। इससे उसकी मौत हो गई जबकि दो सहयोगी घायल हो गए। हादसे के बाद परिजन ने कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाकर हंगामा किया। रविवार सुबह करीब 10:25 बजे लाइनमैन मुन्नालाल ने कार्य के लिए शटडाउन लिया था। इसके बाद संविदा कर्मचारी चकेरी के जगईपुरवा हरजिंदर नगर निवासी राजेंद्र कुमार (42) पोल पर सीढ़ी के सहारे लाइन जोड़ रहा था। अचानक लाइन में करंट आ गया और राजेंद्र करीब 35 फीट नीचे खड़े हेल्पर गुरुसहाय के ऊपर जा गिरा। इससे गुरुसहाय का दाहिना हाथ टूट गया। गंभीर चोटों के कारण राजेंद्र की मौत हो गई। लाइनमैन मुन्नालाल भी झुलस गया। घायलों का आर्यनगर स्थित निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। वहीं पुलिस ने राजेंद्र के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। महाराजपुर थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि शटडाउन लेने के बावजूद लाइन में करंट कैसे आ गया यह जांच का विषय है। परिजन की तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हैलट में बनेगी 30 बेड की डायलिसिस यूनिट

कानपुर, एजेंसी। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन विभाग में 30 बेड की डायलिसिस यूनिट बनाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसमें न्यूनतम शुल्क लेकर डायलिसिस करने की योजना है। ऐसा होने पर किडनी मरीजों को डायलिसिस के लिए वेटिंग खत्म हो सकती है। उर्सला की डायलिसिस यूनिट में भी बेड बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य विभाग शासन को रिमाइंडर भेजेगा। किडनी के मरीज लगातार बढ़ने के बावजूद हैलट और उर्सला में डायलिसिस के लिए सीमित बेड की वजह से आर्थिक रूप से कमजोर मरीज भी निजी चिकित्सालयों में डायलिसिस कराने के लिए मजबूर रहते हैं। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय काला ने बताया कि मेडिसिन विभाग में स्थित डायलिसिस यूनिट में डायलिसिस के लिए छह मशीनें हैं। इनमें से दो मशीनें 10 साल से भी ज्यादा पुरानी होने की वजह से कंडम हो चुकी हैं। शासन को नई मशीनों के लिए प्रस्ताव भेजा गया था। आईसीयू में डायलिसिस करने के लिए दो मशीनें हैं। मल्टी सुपर स्पेशियलिटी एंड पीजीआई में भी डायलिसिस होती है। 30 बेड की मेडिसिन विभाग में ही 30 बेड की डायलिसिस यूनिट बनाने का प्रस्ताव तैयार कर शासन भेजा था। उसे स्वीकृत कराने के प्रयास तेज किए जाएंगे। इसमें न्यूनतम शुल्क लेकर डायलिसिस करने या इसे पीपीपी मॉडल पर चलाया जा सकता है।

दीवार गिरने से मलबे में दबकर ननद घायल, भाभी की मौत

औरैया, एजेंसी। अनंतराम कोतवाली क्षेत्र के गांव हरपाल पुर में रविवार की रात्रि तेज आंधी पानी के दौरान दीवार गिरने से उसमें दबकर दो महिलाएं घायल हो गई। दोनों को ग्रामीणों ने दीवार के मलबे से बाहर निकाल कर समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अजीतमल भिजवाया। जहां डॉक्टरों ने जगरानी को मृत घोषित कर दिया। वहीं सोमवती को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल जालौन जनपद के थाना रामपुरा के गांव मढ़ेपुरा निवासी जगरानी उम्र 42 वर्ष पत्नी सुरेंद्र निषाद रविवार को अपने नंदोई लेकपाल निषाद के यहां अजीतमल कोतवाली क्षेत्र के गांव हरपालपुर आई थी। रविवार की शाम वह अपने ननद सोमवती के साथ पड़ोसी गांव भीखम नगर में चल रही भागवत के भंडारे में गई थी। भंडारा खाने के बाद वह वापस घर लौट रही थी। गांव में जैसे ही पहुंची थी। तभी तेज आंधी के चलते बुद्ध सिंह के घर की बाहर की दीवार गिर गई। जिससे सोमवती और जगरानी उसमें दब गई।

वाराणसी एयरपोर्ट से 19.70 करोड़ रुपये का गांजा जब्त, छह विदेशी गिरफ्तार

अंतरराष्ट्रीय गांजा तस्करी के बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश

वाराणसी, एजेंसी। कस्टम विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लालबहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से अंतरराष्ट्रीय गांजा तस्करी के बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश किया। बैंकॉक से आए एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान संख्या आईएक्स-215 से उतरे छह थाई नागरिकों के कब्जे से करीब 19.7 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया गया। इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 19.70 करोड़ रुपये बताई गई है। मामले में छह विदेशी नागरिकों विचनचाई फलाकित, नट्ठाफोंग चंतराक, प्राचाया यीकोर, प्रिसाना चोडमोन, पट्टामावन चोटिमोन और सुनिसा पुएतपाकवानको गिरफ्तार किया गया है। इनमें तीन महिला और तीन पुरुष शामिल हैं।

रविवार को आरोपियों को रिमांड मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया जहां से 13 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। कस्टम विभाग के मुताबिक, गिरोह की सरगना महिला है। वह एयरपोर्ट से बच निकली है। सरगना के पास कोई सामान नहीं था इसलिए जांच में पकड़ी नहीं जा सकी। वह बैंकाक और वाराणसी के बीच गांजा तस्करी की अहम कड़ी है। सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की मदद भी ली जाएगी। महिला सरगना की गिरफ्तारी से पूरा नेटवर्क सामने आ जाएगा। मामले की सूचना संबंधित केंद्रीय एजेंसियों, गृह और विदेश मंत्रालय को भेज दी गई है। एयरपोर्ट से तीन महीने में गांजा तस्करी का तीसरा मामला पकड़ा गया है। वरिष्ठ कस्टम अधीक्षक आनंद कुमार राय के अनुसार बैंकॉक से आए एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान संख्या आईएक्स-215 शनिवार को शाम करीब पांच बजे एयरपोर्ट पहुंची। रुटीन चेकिंग के तहत यात्रियों की जांच की जा रही थी।

इसी दौरान तीन महिला और तीन पुरुष थाई यात्रियों के ट्रॉली बैग में कुछ संदिग्ध सामान रखे मिले। गहनता से जांच की गई, तो पता चला कि तस्करों ने ट्रॉली बैग के निचले हिस्से में फर्जी प्लास्टिक का बेस तैयार कर उसके भीतर गांजे के पैकेट छिपा रखे हैं। हर बैग से तीन से चार पैकेट बरामद किए गए। जांच के बाद तस्करी का गांजा जब्त कर लिया गया। कस्टम विभाग की टीम ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

वाराणसी से कोलकाता और बिहार तक सप्लाई

वरिष्ठ कस्टम अधीक्षक आनंद राय ने बताया कि पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे पहले भी गांजे की तस्करी कर चुके हैं। वाराणसी से कोलकाता और गया तक गांजा भेजा गया है। इस बार भी पुराने नेटवर्क के जरिये गांजा वाराणसी के साथ ही बिहार और कोलकाता भेजा जाना था लेकिन मामला पकड़ा गया।

तीन बार में पकड़ा 64.70 करोड़ रुपये का गांजा

कस्टम विभाग के अधिकारियों के अनुसार वाराणसी एयरपोर्ट से पिछले तीन महीने में 64.70 करोड़ का गांजा जब्त किया जा चुका है। पहला मामला 10 मार्च 2026 को सामने आया था। तब बैंकॉक से आए तीन यात्रियों के पास से करीब 25 करोड़ रुपये मूल्य का गांजा मिला था। इसी तरह 23 और 24 मई को इंदौर की महिला और पुरुष के कब्जे से लगभग 20 किलोग्राम का हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया गया था। इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 20 करोड़ रुपये थी। शनिवार को भी बैंकॉक से आए छह थाई नागरिकों के पास से 19.70 करोड़ का गांजा बरामद किया गया है।

गिरोह की 7वीं सदस्य थी सरगना, होटल में ठहराने के नाम पर आरोपियों से 25-25 हजार वसूले

गिरफ्तार छह विदेशी नागरिकों से कस्टम विभाग की टीम ने कड़ी पूछताछ की है। आरोपियों ने कस्टम विभाग को बताया कि उनके साथ एक और थाई महिला भारत आई थी जो होटल बुकिंग और स्थानीय संपर्कों के जरिये गांजे की आपूर्ति का काम काम करती थी। वह गिरोह की 7वीं सदस्य थी। होटल में ठहराने के लिए सबसे 25-25 हजार रुपये ले रखे थे। महिला सरगना ने अपने पास कोई प्रतिबंधित सामग्री नहीं रखी थी इसलिए उसपर संदेह नहीं हुआ। अब कस्टम विभाग सहित दूसरी जांच एजेंसियां विदेशी महिला की तलाश में जुटी हैं।

एंडोमेट्रियोसिस अब नहीं बनेगा मातृत्व में बाधा, बाजार में आई नई दवा

कानपुर, एजेंसी। एंडोमेट्रियोसिस के इलाज और प्रजनन क्षमता के बचाव के लिए एक नई दवा बाजार में आई है। त्रिची ऑब्स्टेट्रिक एंड गायनेकोलॉजी सोसायटी की अध्यक्ष डॉ. चर्मिला अय्यावू ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इंजेक्शन से दी जाने वाली दवा की तुलना में इसके दुष्प्रभाव कम हैं।

कानपुर ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी सोसायटी (केओजीएस) ने तिलक नगर स्थित एक होटल में कार्यशाला का आयोजन किया। इसका विषय एंडोमेट्रियोसिस एवं प्रजनन क्षमता संरक्षण था। केओजीएस अध्यक्ष डॉ. कल्पना दीक्षित, सचिव डॉ. रेशमा निगम और मुख्य संरक्षक डॉ. मीरा अग्निहोत्री ने दीप प्रज्ज्वलित किया। बेंगलुरु से आईं मुख्य वक्ता डॉ. चर्मिला ने एंडोमेट्रियोसिस के आधुनिक उपचार की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नई दवा एंडोमेट्रियोसिस से जुड़े दर्द में तेजी से राहत देती है। यह दवा दिन में एक बार ली जाती है। इस बीमारी की समय पर पहचान और इलाज से प्रजनन क्षमता बचाई जा सकती है। उन्होंने एंडोमेट्रियोसिस में फर्टिलिटी प्रिजर्वेशन विषय पर पैनल चर्चा का संचालन किया। इसमें मरीज की जांच, मेडिकल सप्रेशन, सर्जिकल विकल्पों और आईवीएफ के माध्यम से अंडाशय की कार्यक्षमता संरक्षित रखने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया गया। स्त्री रोग विशेषज्ञों ने इस बीमारी से संबंधित विभिन्न जटिल मामलों पर भी चर्चा की।

केओजीएस अध्यक्ष डॉ. कल्पना दीक्षित ने समय पर रोग की पहचान और उपचार के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे महिलाओं की प्रजनन क्षमता को सुरक्षित रखा जा सकता है। विशेषज्ञों ने बताया कि एंडोमेट्रियोसिस केवल दर्द का कारण नहीं है, बल्कि यह प्रजनन क्षमता को भी प्रभावित करता है। ऐसे में जागरूकता, शीघ्र निदान और आधुनिक उपचार पद्धतियां रोगियों के लिए काफी लाभकारी साबित हो सकती हैं। कार्यशाला में सचिव डॉ. रेशमा निगम, डॉ. ऊषा गोयनका, डॉ. नीलम मिश्रा, डॉ. रीता मित्तल, डॉ. मधु कुमार सहित शहर की कई स्त्री रोग विशेषज्ञ, कंसल्टेंट और पीजी छात्राएं मौजूद रहीं।

आसान रहा पेपर, संधि-समास ने थोड़ा उलझाया

आगरा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा रविवार को जिले के 27 केंद्रों पर आयोजित हुई। पहली पाली सुबह 9 से दोपहर 12 बजे और दूसरी पाली दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक चली। परीक्षा देकर निकले छात्र-छात्राओं ने बताया कि इस पर पेपर काफी सरल आया था, इससे चयन की उम्मीद बढ़ गई है।

प्रो. शरद उपाध्याय ने बताया कि उत्तर प्रदेश संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा में जिले से 12,629 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इनमें प्रथम पाली में 10,845 ने परीक्षा दी। वहीं, द्वितीय पाली में 10,828 ने परीक्षा दी। केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे और सघन जांच के बाद ही परीक्षा कक्ष में प्रवेश दिया गया।

पहली पाली में सामान्य ज्ञान और भाषा (हिंदी/अंग्रेजी) से संबंधित प्रश्न पूछे गए। सामान्य ज्ञान में समसामयिक घटनाओं, इतिहास और सामान्य अध्ययन से जुड़े प्रश्न रहे। इतिहास और भूगोल के प्रश्न भी सरल थे। भाषा खंड हिंदी में व्याकरण, गद्यांश, संधि-विच्छेद और समास से संबंधित प्रश्न पूछे गए। संधि-विच्छेद और समास के कुछ प्रश्न कठिन थे। वहीं अंग्रेजी सरल रही।

दूसरी पाली में सामान्य अभिरुचि परीक्षण और विषय योग्यता की परीक्षा हुई। सामान्य अभिरुचि खंड में तर्कशक्ति, विश्लेषण क्षमता, शिक्षण अभिरुचि, मानसिक योग्यता और निर्णय क्षमता से जुड़े प्रश्न पूछे गए। वहीं, विषय योग्यता खंड में परीक्षार्थियों के चुने गए कला, विज्ञान, वाणिज्य और कृषि वर्ग से संबंधित प्रश्न रहे। दूसरी पाली को भी सरल बताया गया।

कई महिलाएं छोटे बच्चों के साथ परीक्षा देने पहुंचीं। परीक्षा के दौरान उनके पति और अन्य परिजन केंद्र के बाहर बच्चों की देखभाल करते नजर आए। दूसरी पाली की परीक्षा के दौरान दोपहर करीब तीन बजे मौसम ने अचानक करवट ली। हल्की बारिश से विद्यार्थियों को गर्मी से राहत मिली। वहीं शाम पांच बजे परीक्षा समाप्त होने के बाद कई क्षेत्रों में तेज बारिश हुई।

सामान्य ज्ञान के प्रश्नों में उलझे अभ्यर्थी

बरेली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालयों की संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा-2026 का आयोजन रविवार को जिले के 13 परीक्षा केंद्रों पर हुआ। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित परीक्षा के बरेली में संचालन एवं समन्वय की जिम्मेदारी रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने निभाई। सबसे बड़ा केंद्र भी विश्वविद्यालय परिसर को ही बनाया गया। जिले में कुल 5,561 अभ्यर्थी पंजीकृत रहे। प्रथम पाली में आयोजित सामान्य ज्ञान व भाषा के प्रश्नपत्र-प्रथम की परीक्षा में 5012 (90.2 प्रतिशत) अभ्यर्थी उपस्थित रहे। 549 यानी 9.8 प्रतिशत अनुपस्थित रहे। द्वितीय पाली में प्रश्नपत्र-द्वितीय की परीक्षा में 5023 (90.4 प्रतिशत) अभ्यर्थी उपस्थित रहे। 538 अभ्यर्थी यानी 9.6 प्रतिशत अनुपस्थित रहे।परीक्षा देकर निकले अभ्यर्थियों ने प्रश्नपत्र को आसान बताया। हालांकि, उन्होंने कई प्रश्नों को उलझाऊ बताया। कहा कि इन्हें हल करने में समय लगा। हालांकि, कई विद्यार्थियों ने प्रश्नपत्र को सामान्य बताया।

रीवा हादसे के बाद जैन समाज में आक्रोश, संत सुरक्षा नीति की मांग

अलीगढ़। मध्यप्रदेश के रीवा में दो जैन साध्वियों की सड़क दुर्घटना में मौत के बाद जैन समाज में गहरा आक्रोश है। इस घटना को लेकर दिगंबर जैन महासमिति उत्तर प्रदेश का एक प्रतिनिधिमंडल राज्यसभा सांसद नवीन जैन से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर जैन संतों की सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठाने की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने सांसद को बताया कि जैन साधु-संत निहत्थे और पैदल विहार करने वाले तपस्वी होते हैं। उनके साथ लगातार हो रहे हादसे बेहद चिंताजनक हैं। समाज ने रीवा घटना की विशेष जांच दल या न्यायिक जांच की मांग की है। सभी डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित रखने की भी अपील की गई। इसके साथ ही, हाईवे और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में संत सुरक्षा प्रोटोकॉल बनाने की मांग की गई। एक राष्ट्रीय संत सुरक्षा नीति बनाने पर भी जोर दिया गया।

प्राचीन मंदिर मार्ग के पुनर्निर्माण की अपील

प्रतिनिधिमंडल ने आगरा-मथुरा हाईवे पर स्थित 500 वर्ष प्राचीन जैन मंदिर के जर्जर मार्ग के पुनर्निर्माण हेतु भी एक पत्र सौंपा। सांसद नवीन जैन ने साध्वियों की मौत पर संवेदना व्यक्त की। उन्होंने मुख्यमंत्री से उच्चस्तरीय जांच की सिफारिश करने का आश्वासन दिया। सांसद ने प्राचीन मंदिर मार्ग के निर्माण के लिए संबंधित विभाग को तुरंत निर्देशित किया। इस दौरान राजीव जैन, मयंक जैन, विपुल जैन और रितिक जैन समेत कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सभी 11 सीटें जीतना चाहती है भाजपा, शामिल हो सकते हैं शर्मा गुट के प्रदेश अध्यक्ष

लखनऊ, एजेंसी। भाजपा सितंबर-अक्तूबर में संभावित विधान परिषद की 11 सीटें जीतने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। यही वजह है कि आगरा शिक्षक सीट से निर्दल चुनाव जीते आकाश अग्रवाल के भाजपा में शामिल होने की सुगबुगाहट तेज हो गई है। गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक सीट से निर्दल (शर्मा गुट) एमएलसी ध्रुव कुमार त्रिपाठी का भी भाजपा में जाना तय है। वहीं, शर्मा गुट के ही नेता व पूर्व एमएलसी सुरेश त्रिपाठी के भी भाजपा में आने की चर्चा जोरों पर है। बताते हैं कि वे इस बार इलाहाबाद-झांसी स्नातक सीट से भाग्य आजमाना चाह रहे हैं।

आकाश अग्रवाल ने वर्ष 2020 में आगरा शिक्षक सीट से निर्दल प्रत्याशी के रूप में चुनाव जीता था। जबकि, उनके सामने भाजपा और सपा, दोनों दलों के प्रत्याशी थे। सूत्र बताते हैं कि आकाश अग्रवाल की भाजपा नेताओं से इस संबंध में बात भी हो चुकी है। अगर आकाश को इसी साल होने वाले विधान परिषद की आगरा शिक्षक सीट से भाजपा से टिकट मिलने की गारंटी मिलती है तो वे भी भाजपा जॉइन करने के लिए तैयार बताए जा रहे हैं।

दूसरी तरफ एमएलसी ध्रुव त्रिपाठी के खिलाफ वर्ष 2020 में भाजपा ने अपना कोई प्रत्याशी नहीं उतारा था। तब अघोषित रूप से उन्हें ही वहां भाजपा

का समर्थन मिला था। बताते हैं कि इस बार भाजपा उन्हें तभी लड़ाएगी, जब वे पार्टी जॉइन करेंगे। यही वजह है कि ध्रुव त्रिपाठी का भाजपा में शामिल होना तय हो चुका है। सूत्रों की मानें तो पखवाड़े भर में उनकी आधिकारिक रूप में भाजपा में जॉइनिंग हो सकती है।

11 सदस्यों का दिसंबर में खत्म हो रहा कार्यकाल

बता दें, ध्रुव कुमार त्रिपाठी तीन बार के एमएलसी हैं। वहीं, तीन बार के एमएलसी सुरेश त्रिपाठी वर्ष 2023 में इलाहाबाद शिक्षक सीट से चुनाव हार गए थे। विधान परिषद के स्नातक और शिक्षक खंड के 11 सदस्यों का कार्यकाल 6 दिसंबर 2026 को समाप्त हो रहा है। इन सभी सीटों पर इसी वर्ष चुनाव होने हैं।

जागरूकता बढ़ी तो घटने लगे बाल विवाह

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में बाल विवाह के मामले में तेजी से सुधार हो रहा है। श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर, ललितपुर को छोड़कर अन्य जिलों में नाममात्र के बाल विवाह हो रहे हैं। राष्ट्रीय परिवार सर्वेक्षण छह की रिपोर्ट इसकी गवाही दे रही है।

उत्तर प्रदेश में लगातार चलाए जा रहे जागरूकता अभियान का नतीजा है कि अब अभिभावक भी बेटियों की शादी के बजाय पढ़ाई पर ध्यान दे रहे हैं। इसकी वजह महिलाओं के सशक्तिकरण से जुड़े अन्य संकेतकों में आए भारी उछाल के रूप में भी देखा जा रहा है। इसका सीधा असर राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 (2023-24) की रिपोर्ट में दिख रहा है।

इस बार लड़कियों के बाल विवाह के मामले 2.1 प्रतिशत अंकों की गिरावट के साथ 13.7 फीसदी पर आ गए हैं। खास बात यह है कि राष्ट्रीय औसत 20.1 है। उत्तर प्रदेश में यह वर्ष 2015-16 में 21.1 फीसदी और वर्ष 2019-21 के बीच 15.8 फीसदी था। इसी तरह पुरुषों में बाल विवाह (25-29 वर्ष के पुरुष जिनका विवाह 21 वर्ष से पहले हुआ) पहले 23 फीसदी था, जो गिरकर 19.5 फीसदी पर आ गया है।

चिंताजनक पहलू

इस बार के सर्वे में एक विरोधाभासी और चिंताजनक पहलू भी सामने आया है। एक तरफ बाल विवाह के आंकड़े बेहतर हुए हैं तो दूसरी तरफ किशोरी गर्भावस्था में उछाल आया है। एनएफएचएस 5 में 15-19 वर्ष की लड़कियों में गर्भावस्था या मां बनने की दर घटकर 2.9 फीसदी पर आ गई थी, लेकिन एनएफएचएस 6 में यह आंकड़ा दोबारा बढ़कर 3.5 फीसदी हो गया है। इससे साफ है कि अभी भी लड़कियों की सुरक्षा, ड्रॉप-आउट रोकने और स्वास्थ्य जागरूकता पर विशेष फोकस बनाए रखने की जरूरत है।

पूर्व महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य डॉ. बद्री विशाल का कहना है कि प्रदेश में शिक्षा का ग्राफ बढ़ा है। जागरुकता आई है। गांवों में चिकित्सा सुविधाएं भी बढ़ी हैं। ऐसे में कम उम्र में शादी होने का चलन लगातार घट रहा है। जहां तक कम उम्र में गर्भावस्था की बात है तो इस पर स्वास्थ्य विभाग को नए सिरे से काम करना होगा।

अभी भी टॉप पर ललितपुर

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 5 में बाल विवाह के मामले में सबसे खराब स्थिति बुंदेलखंड के ललितपुर जिले की थी। यहां 42 फीसदी लड़कियों का विवाह कम उम्र होता था, लेकिन अब यह आंकड़ा घटकर 40 फीसदी पर आ गया है। इसी तरह बलरामपुर में बाल विवाह की दर 37.2 फीसदी थी, जो अब 35 पर आ गई है। श्रावस्ती में 34.2 फीसदी से घटकर 24 फीसदी पर आ गया है। गोंडा में 24.5 से घटकर 20 फीसदी पर आ गया है।

दिल्ली में 45 साल पुराने मकानों को ढहाया, होटल-दुकान समेत 143 इमारतें ध्वस्त; अर्धसैनिक बलों की 10 कंपनी तैनात

नई दिल्ली, एजेंसी। भारी पुलिस और अर्धसैनिक बलों की तैनाती के बीच शालीमार गांव में 45 साल पुराने अवैध कब्जों को ध्वस्त कर दिया। 14 घंटे से ज्यादा समय चली इस कार्रवाई के दौरान दर्जनभर बुलडोजर की मदद से 143 इमारतों व ढांचों में से अधिकांश को ढहा दिया गया, इनमें ज्यादातर बहुमंजिला भवन हैं। इमारतों में 40-50 दुकानों के अलावा कुछ होटल भी चल रहे थे। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अर्ध सैनिक बलों की 10 कंपनी तैनात की गई। आजादपुर अंडरपास से मैक्स अस्पताल रोड सुबह चार बजे से लेकर रात आठ बजे तक आवाजाही के लिए पूर्णतः बंद रहा। पल-पल की गतिविधि पर नजर रखने के लिए गांव के आसमान पर दिनभर ड्राने मंडराते रहे। डीडीए, पीडब्ल्यूडी, राजस्व, नगर निगम, पुलिस समेत कई एजेंसियों के अधिकारी-कर्मचारियों की संयुक्त टीम की देखरेख में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के विधानसभा क्षेत्र के शालीमार गांव में बनीं अवैध इमारतों पर रविवार तड़के चार बजे बुलडोजर कार्रवाई शुरू हुई।

पुलिस ने कल देर रात को शालीमार गांव में आजादपुर अंडरपास से लेकर मैक्स अस्पताल टी-प्वाइंट तक रोड को दोनों ओर बैरिकेडिंग लगाकर बंद कर दिया। अवैध निर्माण वाली जगह की चारों ओर से घेराबंदी की गई। इस जगह तक मीडिया समेत किसी को भी जाने की इजाजत नहीं थी।

दिनभर अवैध ढांचे गिराने का काम चलता रहा। शाम छह बजे तक 143 अवैध इमारतों में से ज्यादातर को ढहा दिया गया। गत 10 जनवरी को किए गए संयुक्त सर्वेक्षण में पाया गया कि निर्धारित 30 मीटर राइट आफ-वे के भीतर कुल 143 अनधिकृत पक्के निर्माण पाए गए हैं, इनमें लगभग 19.5 मीटर क्षेत्र में मौजूदा सड़क है, जबकि लगभग 10.5 मीटर क्षेत्र अतिक्रमण के कारण अवरुद्ध है।

लोगों ने खुद अवैध निर्माण तोड़े

बता दें कि राजस्व विभाग ने इस क्षेत्र में बनी लगभग 143 इमारतों को खाली करने के लिए 30 मई तक का अल्टीमेटम दिया था। 29 मई को सुप्रीम कोर्ट ने राहत देने से इन्कार कर दिया था। इसी दिन से लोगों ने खुद अवैध निर्माण तोड़ने शुरू किए, इस दौरान बड़ी संख्या में लोग अपना सामान समेट कर अन्यत्र चले गए। इस बीच, उत्तर पश्चिम दिल्ली जिले की डीसीपी आकांक्षा यादव ने हालात का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए क्षेत्र में अर्धसैनिक बलों की 10 कंपनी तैनात की गई हैं। ड्रोन से निगरानी की जा रही है। मध्य-उत्तर जिले के डीएम एसएस परिहार ने बताया कि दिल्ली सरकार ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए प्रभावित पात्र परिवारों के लिए विशेष सहायता पैकेज भी घोषित किया है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के न्यू अशोक नगर में झपटमारी करने वाला बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यू अशोक नगर इलाके में चोरी के वाहन से झपटमारी करने वाले बदमाश

को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान कोंडली निवासी रोहित उर्फ लाला के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की एक बाइक बरामद की है। आरोपित की गिरफ्तारी से स्नैचिंग और वाहन चोरी के कुल चार मामलों को सुलझाने का दावा किया है। पुलिस ने बताया कि न्यू अशोक नगर थाने में एक महिला ने झपटमारी की ऑनलाइन शिकायत दर्ज करवाई थी। महिला ने बताया था कि वह न्यू अशोक नगर मेट्रो स्टेशन से घर लौट रही थी, तभी पीछे से मोटरसाइकिल पर आए एक बदमाश ने उसका मोबाइल फोन झपट लिया और फरार हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना न्यू अशोक नगर की टीम ने जांच शुरू की। एसएचओ के निर्देशन में गठित पुलिस टीम ने घटना स्थल और आसपास के इलाकों में लगे करीब 100 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी निगरानी और स्थानीय खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस आरोपी तक पहुंचने में सफल रही। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि जिस मोटरसाइकिल का इस्तेमाल स्नैचिंग में किया गया था, वह चोरी की थी। यह बाइक कल्याणपुरी थाना क्षेत्र से चोरी हुई थी और उसके संबंध में पहले से ई-एफआईआर दर्ज थी। पुलिस ने फुटेज से आरोपित की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया।

खाली कराया जाएगा यमुना बाजार घाट, 300 से ज्यादा आशियाने... 15 दिन का अल्टीमेटम खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी। जून माह में कभी भी कश्मीरी गेट स्थित यमुना बाजार घाट के किनारे रहने वाले पंडों को हटाने की प्रक्रिया

शुरू हो सकती है। डीडीए की तरफ से इस संबंध में दी गई 15 दिन की मोहलत 30 मई को खत्म हो गई। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता समेत अन्य जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर उन्होंने घाट के 300 मीटर के दायरे में अपने पुनर्वास की मांग की थी, लेकिन अब तक इस पर कोई निर्णय नहीं हो सका है। इस बीच, पंडा एसोसिएशन हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। शुक्रवार को मामले में सुनवाई में कोर्ट ने पंडों को कोई सीधी राहत नहीं दी है। जिला प्रशासन ने डीएमए एक्ट के तहत नोटिस जारी कर 300 से अधिक आवासों को खाली करने का आदेश दिया है। नोटिस में ओ जोन में बसावट को अवैध बताते हुए उनके लिए 15 दिन का नोटिस दिया था। उसकी मियाद तो 15 मई को पूरी हो गई थी। इसके बाद डीडीए ने घाट के किनारे से लोगों को जाने के लिए अतिरिक्त 15 दिन (30 मई) का समय दिया था। अब यह अवधि भी बीत चुकी है। इसके पहले उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू व मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यमुना बाजार क्षेत्र का निरीक्षण कर इसके कायाकल्प पर जोर दिया था। सरकार की योजना यहां स्थित 30 घाटों के सुंदरीकरण व हरियाली के साथ मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की है। वहीं, यहां रहने वाले पंडों का कहना है कि वह कई पीढ़ियों से यहां रहते आए हैं। इसलिए उन्हें नहीं हटाया जाए। जिला प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि इस मामले में वह डीडीए व संबंधित निकायों के आदेश पर अमल करेंगे।

एसडीएम के आदेश पर 24 घंटे में खाली हुआ अवैध रसायन गोदाम, ग्रामीणों को मिली राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। कराला में आवासीय क्षेत्र में अवैध रूप से चल रहे रसायन के गोदाम को 24 घंटे के भीतर खाली करने के एसडीएम के आदेश पर रविवार को अमल हुआ। संचालक ने गोदाम से रसायन व अन्य सामान उठा लिया है। एसडीएम ने गोदाम खाली करने के अलावा 72 घंटे के अंदर गोदाम संचालन संबंधित विभागीय अनुमति और फायर एनओसी प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए हैं। एसडीएम ने शनिवार शाम गोदाम संचालक को जारी किया और अवैध रूप से रसायन के भंडारण को मानव जीवन व सेहत के लिए खतरनाक बताया। नोटिस में 24 घंटे के भीतर गोदाम खाली करने और 72 घंटे में अनुमति संबंधित कागजात पेश करने को कहा। इस क्रम में दोपहर को संचालक ने गोदाम खाली करने शुरू किया। बता दें कि शुक्रवार को 12 घंटे के भीतर इस गोदाम में दो बार आग लगी। दिन में 12 बजे लगी आग के बाद धुएं और गैस के गुबार ने आसपास के घरों को अपने आगोश में ले लिया। धुएं और गैस से ग्रामीणों को सांस लेने में दिक्कत, उल्टी-दस्त की शिकायत हुई। कोई अप्रितय घटना न हो, इसलिए एहतियात के तौर बच्चों को अपनी रिश्तेदारियों में भेज दिया।

कोई महिला आजीविका के लिए वेश्यावृत्ति करे, तो वह जगह कोठा नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने दिया 298 पन्नों का फैसला

वेश्यावृत्ति को लेकर कानूनी अस्पष्टता

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने 70 साल पुराने अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम का गहन विश्लेषण करने के बाद एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है।

अदालत ने कहा कि इस कानून का मुख्य उद्देश्य न तो वेश्यावृत्ति को पूरी तरह से खत्म करना है और न ही इसे आपराधिक अपराध बनाना है, बल्कि इसका असली मकसद वेश्यावृत्ति के व्यावसायीकरण पर लगाम लगाना है। जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि हम इस बात को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हैं कि वेश्यावृत्ति को खत्म करना या इसे आपराधिक अपराध बनाना इस अधिनियम का मुख्य उद्देश्य नहीं है। बल्कि, इसका उद्देश्य वेश्यावृत्ति के व्यावसायीकरण को रोकना या समाप्त करना है, यानी वेश्यावृत्ति को आजीविका के एक संगठित माध्यम के रूप में इस्तेमाल करने पर रोक लगाना है।

वेश्यालय से छुड़ाई गई महिलाओं के पुनर्वास के मुद्दे पर सुनवाई करते हुए पीठ ने 1956 के इस अधिनियम का गहराई से विश्लेषण किया। अदालत ने बताया कि 20वीं सदी की शुरुआत में वेश्यावृत्ति के लिए महिलाओं की तस्करी बहुत आम थी और समाज में इसे अनैतिक माना जाता था, यही वजह है कि यह शब्द इस कानून के नाम के साथ जुड़ गया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आईटीपीए मुख्य रूप से अपराधियों और तस्करों को सजा देने के लिए लाया गया था, न कि खुद वेश्यावृत्ति करने वाली महिलाओं को दंडित करने के लिए। जस्टिस पारदीवाला द्वारा लिखे गए 298 पन्नों के इस फैसले में स्पष्ट किया गया कि अधिनियम की धारा 7 और 8 इस सामान्य नियम के अपवाद हैं। ये धाराएं विशेष परिस्थितियों में वेश्यावृत्ति के व्यक्तिगत कृत्यों को दंडित करती हैं कि धारा 7 सार्वजनिक स्थानों के करीब वेश्यावृत्ति में शामिल होने वाले किसी भी व्यक्ति को दंडित करती है। वहीं, धारा 8 सार्वजनिक स्थानों पर ग्राहकों को रिझाने या बुलाने को अपराध मानती है। पीठ ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा कि हालांकि वेश्यावृत्ति के व्यक्तिगत कृत्यों को सीधे तौर पर पूरी तरह प्रतिबंधित नहीं किया गया है, लेकिन सार्वजनिक शालीनता और सामाजिक नैतिकता को बनाए रखने के लिए यह जरूरी है। प्रयासों को रोका जाए ताकि जनता को असुविधा न हो। अदालत ने स्पष्ट किया कि वह न तो वेश्यावृत्ति को पूरी तरह से अपराध घोषित करने की वकालत कर रही है और न ही इसे पूरी तरह से अनियंत्रित छोड़ने की बात कह रही है। कोर्ट ने कहा कि हम सिर्फ यह समझाना चाहते हैं कि विधायी उद्देश्य वेश्यावृत्ति के सभी कृत्यों की निंदा करना नहीं है। हालांकि, इसकी परिभाषा में कुछ अस्पष्टता जरूर है, क्योंकि इसे पूरी तरह से केवल शोषणकारी या अपमानजनक रूप में ही चित्रित किया जाता है। अधिनियम की धारा 2 में दिए गए वेश्यागृह शब्द की परिभाषा की जांच करते हुए पीठ ने एक बेहद महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण दिया।

दिल्ली की सड़कों पर की गई हरियाली भगवान भरोसे, पीडब्ल्यूडी की लापरवाही उजागर

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल दिल्ली को प्रदूषण से बचाने के लिए जिस हरियाली पर जोर दिया जा रहा है, इस शहर में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा सड़कों पर की गई हरियाली भगवान भरोसे है। रखरखाव की जाने वाली दिल्ली की प्रमुख सड़कों पर की गई हरियाली को बचाने के लिए पानी देने के नाम पर खानापूर्ति हो रही है। ऐसे में कई जगह हरियाली और झाड़ियां सूख चुकी है, इन्हें तैयार करने पर विभाग की मेहनत और पैसे पर पानी फिर रहा है। उधर विभाग का है दावा हरियाली बचाने के लिए नियमित पानी दिया जा रहा है , मगर तापमान अधिक होने के कारण इसे नुकसान हो रहा है। पीडब्ल्यूडी की बात करें तो इस

विभाग के पास 1440 किलोमीटर लंबी सड़के हैं जो दिल्ली की प्रमुख सड़के हैं, इन सब सड़कों की चौड़ाई 60 फीट से अधिक है इनमें कई ऐसी सड़के हैं जिनको दिल्ली के आवागमन की रीड़ माना जाता है, इनमें रिंग रोड और बाहरी रिंग रोड, बारापुला एलिवेडेट कॉरिडोर जैसे प्रमुख मार्ग भी शामिल हैं।

पर्यावरण की दृष्टि से शहर को बेहतर बनाने और सड़कों को सुंदर दिखने के लिए विभाग द्वारा हर साल बड़े स्तर पर इन सड़कों पर पौधारोपण किया जाता है। जिनमें नए पौधे और पेड़ के साथ-साथ झाड़ियां भी लगाई जाती हैं।

दिल्ली में स्कूल ऑफ प्लानिंग की बिल्डिंग में लगी आग, काबू पाने में जुटी दमकल की 8 गाड़ियां

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में मुखर्जी नगर के बाद आईटीओ के पास भी एक बिल्डिंग में आग लग गई। यह आग स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर बिल्डिंग की दूसरी मंजिल पर लगी है। आग की सूचना पर आनन-फानन में दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू कर दिया। अभी आग पर काबू पाने का प्रयास किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, सुबह साढ़े 9 बजे के करीब पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट की इमारत के पास एक बिल्डिंग में अचानक आग की लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते बिल्डिंग में आग लग गई।

चीन की मिसाइल से गिराया गया अमेरिकी लड़ाकू विमान, इस्राइल-ईरान तनाव के बीच रिपोर्ट में बड़ा दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अब चीन की भूमिका को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पिछले महीने ईरान के दक्षिण-पश्चिम इलाके में गिराए गए अमेरिकी एफ-15 लड़ाकू विमान को संभवतः चीन में बनी मिसाइल से निशाना बनाया गया था। इस दावे ने अमेरिका, चीन और ईरान के रिश्तों में नई हलचल पैदा कर दी है। हालांकि चीन ने इन आरोपों को खारिज करते हुए इसे बेबुनियाद बदनाम करने की कोशिश बताया है।

रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी एफ-15ई स्ट्राइक ईगल विमान को कंधे पर रखकर दागी जाने वाली मिसाइल से मार गिराया गया था। इस तरह की मिसाइल को मैनपैड्स कहा जाता है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार यह कई दशकों में पहली बार था जब दुश्मन की गोलीबारी में कोई अमेरिकी लड़ाकू विमान गिरा। विमान में मौजूद दोनों अमेरिकी जवान सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे। पायलट को सात घंटे के भीतर बचा लिया गया, जबकि दूसरे अधिकारी को दो दिन बाद

पहाड़ी इलाके से निकाला गया।

चीन पर आखिर क्या आरोप लगे हैं?

अमेरिकी सूत्रों का दावा है कि ईरान ने संभवतः चीन में बनी मिसाइल का इस्तेमाल किया। इसके अलावा यह भी आरोप है कि चीन ने ईरान को ऐसा लंबी दूरी का रडार सिस्टम भी दिया हो सकता है, जो स्टील्थ विमानों को पकड़ सकता है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक यह रडार उन विमानों को भी पहचान सकता है जो आम तौर पर रडार से बच निकलते हैं। हालांकि अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि यह सैन्य उपकरण हाल ही में दिए गए या पुराने हथियार भंडार का हिस्सा थे। मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहले ही कह चुके हैं कि विमान को कंधे से दागी जाने वाली मिसाइल से निशाना बनाया गया था। वहीं विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि चीन को भी इस युद्ध को खत्म करने में भूमिका निभानी चाहिए, क्योंकि चीन ईरान के तेल का बड़ा खरीदार है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका चीन की मदद पर निर्भर नहीं है। ट्रंप ने दावा किया कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने उन्हें भरोसा दिया है कि चीन ईरान को हथियार नहीं भेज रहा है। चीन के दूतावास ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। चीनी पक्ष ने कहा कि चीन सैन्य उत्पादों के निर्यात को लेकर बेहद सख्त नियमों का पालन करता है। चीन ने कहा कि वह अंतरराष्ट्रीय कानूनों और निर्यात नियंत्रण नियमों के अनुसार काम करता है। चीन ने अमेरिका पर बिना सबूत आरोप लगाने और गलत तरीके से उसका नाम जोड़ने का आरोप लगाया।

● कहा- सब कुछ कमांडरों के हाथ, सरकार बेबस

ईरान में संकट: राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने की इस्तीफे की पेशकश

तेहरान, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने सैन्य कमांडरों के बढ़ते दखल और सरकार के पंगु होने का आरोप लगाते हुए इस्तीफा दे दिया है। इस फैसले ने ईरान के सर्वोच्च नेतृत्व में रार को दुनिया के सामने ला दिया है, जिससे देश में बड़ा राजनीतिक गतिरोध पैदा हो गया है। ईरान की राजनीति से इस वक्त की सबसे बड़ी और चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने अपने पद से आधिकारिक तौर पर इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने अपना इस्तीफा सीधे सुप्रीम लीडर के दफ्तर को भेजा है। इस अप्रत्याशित कदम ने देश के शीर्ष नेतृत्व में मचे घमासान को सरेआम कर दिया है।

सूत्रों का कहना है कि राष्ट्रपति पेजेशकियन ने अपने इस्तीफे में बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने साफ लिखा है कि देश के बड़े और बेहद जरूरी फैसलों से राष्ट्रपति और सरकार को पूरी तरह अलग थलग कर दिया गया है। राष्ट्रपति के मुताबिक, इस हालात की वजह से जो खालीपन पैदा हुआ, उसका फायदा कट्टपंथी धड़ों ने उठाया। अब आईआरजीसी के कमांडर देश के तमाम मामलों को अपनी मर्जी से चला रहे हैं। पेजेशकियन ने कहा है कि मौजूदा हालातों में उनके लिए सरकार चलाना मुमकिन नहीं रह गया है। वे अपनी कानूनी जिम्मेदारियां निभाने में खुद को पूरी तरह असमर्थ पा रहे हैं। इसी वजह से उन्होंने बिना किसी देरी के तुरंत पद छोड़ने की मांग की है। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि मोजतबा खामेनेई इस इस्तीफे को स्वीकार करेंगे या नहीं। लेकिन इस पत्र ने ईरान की सत्ता के शीर्ष पर मौजूद गहरी और अभूतपूर्व दरार को उजागर कर दिया है। यह बड़ा घटनाक्रम सरकार और सैन्य-सुरक्षा संस्थाओं के बीच महीनों से चल रहे तनाव का नतीजा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईआरजीसी ने धीरे-धीरे राष्ट्रपति के कई अधिकारों को सीमित कर दिया था। इसके बाद सरकार के अहम हिस्सों पर सीधे कब्जा कर लिया गया। जानकारों की मानें तो इसी वजह से पेजेशकियन प्रशासन पूरी तरह राजनीतिक और प्रशासनिक गतिरोध में फंस गया था।

शर्मनाक- कोर्ट में चल रही थी सुनवाई, बगल के चैंबर में महिला जज ने बनाए पुलिस अधिकारी से यौन संबंध

अटलांटा, एजेंसी। अमेरिका की न्याय व्यवस्था से एक बेहद हैरान और शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। अटलांटा के एकसंघीय न्यायालय की महिला जज पर आरोप है कि उन्होंने कोर्ट की कार्यवाही के दौरान ही अपने चैंबर (बगल के कमरे) में एक पुलिस अधिकारी के साथ कई बार यौन संबंध बनाए। इस दौरान कोर्ट रूम के बाहर मौजूद क्लर्कों और स्टाफ ने आपत्तिजनक आवाजें भी सुनीं, जिसके बाद इस पूरे मामले का भंडाफोड़ हुआ।

क्या है पूरा मामला? 11वें ज्यूडिशियल सर्किट की ज्यूडिशियल काउंसिल द्वारा की गई एक रिपोर्ट में यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस महिला फेडरल जज और एक शादीशुदा हाई रैंकिंग पुलिस अधिकारी के बीच लंबे समय से विवाह-बाह्य संबंध चल रहे थे। हद तो तब हो गई जब कोर्ट में मामलों की सुनवाई चल रही होती थी और यह महिला जज लंच ब्रेक के दौरान अपने चैंबर में उस पुलिस अधिकारी को बुला लेती थी। सुरक्षा कैमरों के फुटेज और लॉग बुक से यह साबित हुआ है कि वह अधिकारी अक्सर ड्यूटी की वर्दी में ही जज के कमरे में आता-जाता था।

क्लर्कों ने सुनी आवाजें, जज ने पहले बोला झूठ फिर मांगी माफी- इस अनएथिकल बिहेवियर का खुलासा तब हुआ जब जज के ही एक लॉ क्लर्क ने इसकी आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई। जांच के दौरान 6 क्लर्कों ने गवाही दी कि उन्होंने उस अधिकारी को अक्सर चैंबर में आते देखा था, जबकि तीन क्लर्कों ने जज के बंद कमरे से आने वाली आपत्तिजनक आवाजों को सुनने की पुष्टि की।

अमेरिका में फेडरल जजों की नियुक्ति जीवनभर के लिए होती है और उन्हें केवल संसद (कांग्रेस) में महाभियोग चलाकर ही पद से हटाया जा सकता है। इस मामले में ज्यूडिशियल समिति ने महिला जज के खिलाफ जो कार्रवाई की है, उसे कानूनी विशेषज्ञ बेहद हल्की मान रहे हैं।

पीएम बालेन शाह के भारतीय जमीन पर कब्जे वाले बयान पर बढ़ा विवाद

काठमांडू, एजेंसी। भारत-नेपाल सीमा विवाद को लेकर नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के बयान पर उठे विवाद के बाद अब नेपाल के विदेश मंत्रालय को सफाई देनी पड़ी है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि प्रधानमंत्री के 'नेपाल द्वारा भारतीय जमीन पर अतिक्रमण' वाले बयान का मतलब सरकारी कब्जा नहीं, बल्कि सीमा के पास दोनों देशों के लोगों द्वारा जमीन के इस्तेमाल और नो-मैन्स लैंड से जुड़े मुद्दे थे। इस बयान के बाद नेपाल में राजनीतिक और कूटनीतिक बहस और तेज हो गई है।

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने संसद में कहा था कि उन्हें जानकारी मिली है कि सिर्फ भारत ने ही नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण नहीं किया, बल्कि नेपाल की तरफ से भी कई जगह भारतीय जमीन का इस्तेमाल हुआ है। उनके इस बयान पर नेपाल में भारी विवाद शुरू हो गया था। इसके बाद विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि प्रधानमंत्री की टिप्पणी 'दसगजा' यानी नो-मैन्स लैंड और सीमा पार कब्जे से जुड़े मामलों को लेकर थी। मंत्रालय ने कहा कि इसे किसी सरकारी कब्जे के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

नेपाल के विदेश मंत्रालय ने सफाई में क्या कहा?

नेपाल के विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और नेपाल की मौजूदा सीमा 1816 की सुगौली संधि पर आधारित है। मंत्रालय ने कहा कि लिपुलेख, लिम्पियाधुरा, कालापानी और

सुस्ता जैसे कुछ क्षेत्र अब भी पूरी तरह सीमांकित नहीं हुए हैं। विदेश मंत्रालय के मुताबिक दोनों देश इन मुद्दों को बातचीत और कूटनीतिक माध्यम से सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मंत्रालय ने यह भी कहा कि कई सीमावर्ती इलाकों में दोनों देशों के लोगों द्वारा एक-दूसरे की जमीन का इस्तेमाल किया जाता रहा है।

दसगजा और सीमा पार कब्जे का क्या मतलब है?: नेपाल सरकार ने कहा कि 'दसगजा' उन नो-मैन्स लैंड क्षेत्रों को कहा जाता है जो सीमा स्तंभों के बीच खाली छोड़े जाते हैं। कई जगह सीमा स्तंभ टूट गए या गायब हो गए हैं, जिसके कारण जमीन को लेकर भ्रम की स्थिति बनती रही है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि कुछ मामलों में भारतीय सीमा के लोग नेपाली जमीन का इस्तेमाल करते हैं और कुछ मामलों में नेपाली लोग भारतीय जमीन का उपयोग करते हैं। प्रधानमंत्री का बयान इसी तरह के मामलों से जुड़ा था। भारत-नेपाल के बीच विवाद किन इलाकों को लेकर है? भारत और नेपाल के बीच कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को लेकर लंबे समय से सीमा विवाद चल रहा है। भारत का कहना है कि ये इलाके उत्तराखंड का हिस्सा हैं। वहीं नेपाल इन क्षेत्रों पर अपना दावा करता है। हाल ही में कैलाश मानसरोवर यात्रा को लेकर भी दोनों देशों के बीच बयानबाजी हुई थी। भारत ने नेपाल के दावों को 'एकतरफा कृत्रिम विस्तार' बताया था और कहा था कि ऐसे दावे स्वीकार नहीं किए जा सकते।

संपादकीय

विधानसभा चुनाव से पहले पंजाब का जनमत

पंजाब के स्थानीय निकाय चुनावों में आम आदमी पार्टी ने प्रतिद्वंद्वी दलों पर स्पष्ट बढ़त बनाते हुए अपनी मजबूत राजनीतिक मौजूदगी दर्ज कराई है। नगर निगमों और वार्डों में मिली सफलता को पार्टी अपनी सरकार के कामकाज पर जनता की मुहर मान रही है। पंजाब में स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजों में जो तस्वीर उभरी है, वह आम आदमी पार्टी (आप) की स्पष्ट कामयाबी को दर्शाती है। अगर इसे जनता के रुख के तौर पर देखा जाए, तो यह अगले वर्ष राज्य में होने वाले विधानसभा चुनावों के नतीजों का भी संकेत हो सकती है। हालांकि राज्य में आम आदमी पार्टी की सरकार है और फिलहाल कोई बड़ा असंतोष वहां प्रत्यक्ष देखने में नहीं आ रहा है, इसलिए स्थानीय निकायों के नतीजों में अगर उसने शानदार प्रदर्शन करते हुए खुद को बाकी दलों के मुकाबले काफी मजबूत राजनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित किया है, तो यह अप्रत्याशित नहीं है। दरअसल, पंजाब के शहरी क्षेत्रों में आप ने अपनी व्यापक पहुंच और मजबूत जनाधार बनाया है। अब इन चुनावों में पार्टी ने अच्छा प्रदर्शन किया और आठ नगर निगमों में से पांच पर जीत हासिल की। कहा जा सकता है कि इन इलाकों में सरकार के कामकाज को ज्यादातर मतदाताओं ने अपना समर्थन दिया। वहीं कांग्रेस और भाजपा को भी जितनी सीटें मिलीं, उससे फिलहाल उनकी राजनीतिक जमीन बची होने के संकेत मिलते हैं।

गौरतलब है कि पंजाब में नगर निगमों, नगर परिषदों और नगर पंचायतों सहित कुल 104 स्थानीय निकायों के 1,977 वार्डों के लिए हुए मतदान के नतीजों में आप के 958 उम्मीदवारों ने जीत हासिल की। वहीं 397 वार्डों पर जीत के

साथ कांग्रेस की भी संतोषजनक उपस्थिति बनी रही। जबकि शिरोमणि अकाली दल ने 191 और भाजपा ने 172 वार्डों पर जीत हासिल की। जाहिर है, अपने प्रतिद्वंद्वी दलों के मुकाबले आप ने काफी बड़े अंतर से अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज की है। पिछले स्थानीय निकाय चुनावों से तुलना करें, तो तस्वीर में बड़ा फेरबदल हुआ है और आप ने बड़ी उपलब्धि हासिल की। स्वाभाविक ही आम आदमी पार्टी इसे राज्य में अपनी सरकार के कामकाज और विकास कार्यों पर जनता की मुहर मान रही है। इसी के मद्देनजर पार्टी को लगता है कि अगले वर्ष विधानसभा चुनाव में उसके सामने कोई मजबूत चुनौती नहीं है।

मगर यह देखने की बात होगी कि स्थानीय निकायों में उभरे नतीजों का असर विधानसभा चुनाव पर कितना पड़ता है। स्थानीय चुनाव अक्सर क्षेत्रीय मुद्दों और स्थानीय नेतृत्व से प्रभावित होते हैं, जबकि विधानसभा चुनाव में मतदाता राज्य सरकार के समग्र प्रदर्शन, राजनीतिक गठबंधनों और व्यापक जनहित के मुद्दों को भी ध्यान में रखते हैं। इसलिए निकाय चुनावों के नतीजों को विधानसभा चुनाव का अंतिम संकेत मानना जल्दबाजी होगी। फिर भी इतना जरूर है कि इन परिणामों ने पंजाब की राजनीति में मौजूदा शक्ति संतुलन और मतदाताओं के रुख की एक स्पष्ट झलक पेश कर दी है। पंजाब के शहरी निकाय चुनावों के नतीजों ने राज्य की राजनीति में नए संकेत दिए हैं। जहां आम आदमी पार्टी ने शहरी क्षेत्रों में अपना दबदबा कायम रखते हुए बड़ी जीत दर्ज की, वहीं कांग्रेस को कुछ इलाकों में उम्मीद की किरण भी मिली। हालांकि चुनाव परिणामों ने कांग्रेस के भीतर मौजूद गुटबाजी और नेतृत्व को लेकर चल रही खींचतान को और गहरा कर दिया है। सबसे बड़ा राजनीतिक संदेश यह रहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को उनके ही गढ़ गिद्दड़बाहा में करारा झटका लगा, जबकि पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और कपूरथला विधायक राणा गुरजीत सिंह अपनी-अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने में सफल रहे।

समंदर के रास्ते 'सफेद जहर' की दस्तक, मुंद्रा तट बना तस्करों की पहली पसंद

गुजरात के लिए सबसे बड़ी चुनौती उसकी लंबी तटरेखा है और बड़ी संख्या में पंजीकृत छोटे जहाजों और नावों की निगरानी करने के लिए माकूल व्यवस्था का होना बेहद जरूरी है। देश में नशीले पदार्थों का बढ़ता काला कारोबार एक गंभीर समस्या बन गया है। शहरों से लेकर गांवों तक इसका जाल तेजी से फैल रहा है। विदेश से भी बड़े पैमाने पर जमीन और समुद्र के रास्ते नशीले पदार्थों की तस्करी का सिलसिला बदस्तूर जारी है। हाल ही में तटरक्षक बल और गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने संयुक्त अभियान में मुंद्रा तट पर एक जहाज से करीब 1,150 करोड़ रुपए का नशीला पदार्थ जब्त किया है। सवाल है कि गुजरात नशीले पदार्थ का पारगमन केंद्र क्यों बनता जा रहा है? राज्य में पिछले कुछ वर्षों से सुरक्षा बल इस तरह की गतिविधियों के खिलाफ लगातार अभियान चला रहे हैं। इसके बावजूद अगर समुद्री मार्ग से नशीले पदार्थों की तस्करी पर लगाम नहीं लग पा रही है, तो इसकी क्या वजह हो सकती है।

सुरक्षा एजंसियां आखिर उन लोगों तक क्यों नहीं पहुंच पाती हैं, जो इतने बड़े पैमाने पर समुद्री मार्ग से नशीले पदार्थों की तस्करी करते हैं और उसे देश के विभिन्न हिस्सों में पहुंचाते हैं। गौरतलब है कि गुजरात के मुंद्रा तट पर यह पहली बार नहीं है, जब समुद्र के रास्ते लाई गई नशीले पदार्थों की बड़ी खेप पकड़ी गई है। वर्ष 2021 में तो इक्कीस हजार करोड़ रुपए के तीन हजार किलो नशीले पदार्थ यहां जब्त किए गए थे। उस समय यह सबसे बड़ी बरामदगी बताई गई थी। उसके बाद ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि इतनी बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थों की खेप मंगाता कौन है? इसकी व्यापक रूप से जांच किए जाने की जरूरत है, ताकि दोषियों को न्याय के कठघरे में लाया जा सके। गुजरात के लिए सबसे बड़ी चुनौती उसकी लंबी तटरेखा है और बड़ी संख्या में पंजीकृत छोटे जहाजों और नावों की निगरानी करने के लिए माकूल व्यवस्था का होना बेहद जरूरी है। व्यापार और सुरक्षा के लिहाज से यह तटरेखा संवेदनशील है। इसलिए जरूरत इस बात की है कि उन संगठित गिरोहों पर शिकंजा कसा जाए, जो विदेश से तस्करी के जरिए देश में नशे का जाल फैला रहे हैं।

आज का कार्टून

क्या सत्ता 25 करोड़ नाराज लोगों की आहट सुन रही है?

> काकरोच शायद यह निर्णय लें कि विनाश को रोकने का एकमात्र उपाय मुख्य चुनाव आयुक्त की सहायता से इंसानों से काकरोचों को शांतिपूर्ण तरीके से सत्ता का हस्तांतरण करा दिया जाए।काकरोच कोई बुरा या अपमानजनक शब्द नहीं है। विकीपीडिया पर खोज करने से पता चलता है कि काकरोच ने लगभग 20 करोड़ वर्षों से अपनी मूल शारीरिक संरचना को बरकरार रखा है- यानी इंसानों (होमो सेपियंस) के अफ्रीका में लगभग तीन लाख वर्ष पहले पैदा होने से 19 करोड़ 97 लाख वर्ष पहले से। इस दुनिया में रहने का अधिकार इंसानों से पहले काकरोच का बनता है। विज्ञान विश्वकोश बताता है कि काकरोच लोगों को काटते या उन पर हमला नहीं करते, जबकि लोग उन पर हमला करते हैं। बेशक, काकरोच जीवाणु के वाहक होते हैं, बीमारियां फैलाते हैं और एलर्जी पैदा करते हैं।

पी. चिदंबरम

मनुष्य भी जीवाणु का वाहक होता है, बीमारियां फैलाता है और एलर्जी पैदा करता है (विशेषकर प्रतिद्वंद्वी समूहों के सदस्यों के बीच)। कुछ मनुष्य काकरोच को 'घिनौना' मानते हैं, ठीक उसी तरह जैसे कुछ लोग दूसरे लोगों को 'घिनौना' मानते हैं।

हलचल और खलबली

कुछ दिन पहले, एक उच्च पद पर आसीन सम्माननीय ने काकरोच को उनकी नींद से जगा दिया। ईश्वर उनका भला करे, उन्होंने तुरंत स्पष्ट किया कि उनका तात्पर्य अदालतों में घूम रहे नकली डिग्रियों वाले फर्जी वकीलों से था। ऐसे फर्जी वकीलों को बुरा-भला कहा जा सकता है, लेकिन मैं विनम्रतापूर्वक निवेदन करता हूं कि उन्हें काकरोच कहना उचित नहीं।

एक बार हलचल मचने पर काकरोच हरकत में ही रहते हैं (जैसे 'एक बार गिरवी, हमेशा गिरवी')। हरकत में आए कुछ काकरोच ने एक राजनीतिक दल बना लिया है, 'एक्स' पर एक खाता बनाया है, एक वेबसाइट शुरू की है और इंस्टाग्राम पर भी खाता बनाया है। नवीनतम गणना के अनुसार, उस खाते के 2.2 करोड़ से अधिक फालोअर थे।

हरकत में आए काकरोचों ने पलटवार किया। इसका परिणाम यह हुआ कि इंसानों में भी हलचल हुई और खलबली मच गई। मुझे संदेह है कि इंसान अपनी कोल्हापुरी चप्पलों में कांप रहे हैं। यदि ऐसा नहीं है, तो देश की सर्वोच्च कार्यकारी संस्था, जिसके सशस्त्र बलों में 14 लाख सक्रिय सैनिक, 4200 मुख्य युद्धक टैंक, 580 लड़ाकू विमान, 270 नौसैनिक पोत, दो विमानवाहक पोत और सैकड़ों परमाणु हथियार हैं, और आरबीआइ से प्राप्त 2,86,588 करोड़ रुपए का अनुदान है, वह केवल डिजिटल मंच पर बनी काकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के ध्वजवाहक तीस वर्षीय अभिजीत दिपके द्वारा एक्स पर बनाए गए एक साधारण खाते से क्यों डरेगी और एक्स को यह खाता बंद करने के लिए क्यों कहेगी?

दिपके एक दूर देश में हमारे मित्र-शत्रु डोनाल्ड ट्रंप की देखरेख में 'जनसंपर्क' (खतरनाक एआइ नहीं) विषय में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहे हैं। वेबसाइट पर सीजेपी के लक्ष्य बताए गए हैं- हम काकरोच की पहचान को स्वीकार करते हैं- 'अगर युवाओं की बात सुने जाने के लिए यह जरूरी है, तो यही सही।' 'आलसी और बेरोजगारों की आवाज' के नारे के साथ सीजेपी उन लोगों का प्रतिनिधित्व करने का दावा करती है, जिन्हें 'व्यवस्था गिनना भूल गई'।

वे बेरोजगार, आलसी, हमेशा आनलाइन रहने वाले और पेशेवर तरीके से शिकायत करने वाले लोगों को अपनी पार्टी में शामिल करना चाहते हैं। वे महात्मा गांधी, भीमराव आंबेडकर और जवाहर लाल नेहरू से प्रेरित हैं। सीजेपी का घोषणापत्र हंसाता भी है और सोचने पर मजबूर भी करता है, जबकि आम राजनीतिक दलों के घोषणापत्र इतने नीरस होते हैं कि नींद आने लगती है।

बेरोजगारी

बेरोजगारी दर 5.2 फीसद है, युवा बेरोजगारी दर 16-17 फीसद है। कार्यबल 64.3 करोड़ है और श्रम बल सहभागिता दर अधिकतम 60 फीसद है। शेष 40 फीसद या लगभग 25 करोड़ लोग- क्षमा करें- काकरोच हैं। यदि सीजेपी को इन सभी काकरोच के वोट मिल जाएं, तो वह सरकार बना लेगी। (2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को 23.6 करोड़ वोट और कांग्रेस को 13.7 करोड़ वोट मिले थे)।

पेट्रोल और डीजल

गतिशीलता काकरोच के लिए जीवन का आधार है। ईंधन की ऊंची कीमतें उनकी गतिशीलता को सीमित कर रही हैं। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 102.12 रुपए और डीजल की 95.20 रुपए है। भाजपा को वोट देने के बदले कोलकाता के निवासियों को क्रमश: 113.51 रुपए और 99.82 रुपए की कीमत चुकानी पड़ रही है।

कारखानों में नौकरियां

काकरोच स्वभाव से आलसी होते हैं। चूंकि वे हर सुबह जल्दी उठकर मोहल्ले की शाखा में नहीं जाते, इसलिए उन्हें सरकार की ओर से कभी रोजगार नहीं मिलेगा। उनके लिए दूसरा सबसे अच्छा विकल्प है कारखाने की नौकरी। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अनुसार, देश में 2,60,061 पंजीकृत कारखाने हैं। इन कारखानों में नौकरियों की अनुमानित संख्या 1.95 करोड़ है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण कई नौकरियां खत्म हो जाएंगी, और 25 करोड़ काकरोच को कभी कारखानों में नौकरी नहीं मिल पाएगी। इसीलिए उनमें निराशा है।

पारिवारिक सहयोग

काकरोच को उनके परिवार, विशेषकर उनकी माताएं सहारा देती हैं, जिसके बदले में वे हर महीने मुफ्त मिलने वाला पांच किलो अनाज परिवार के लिए लाते हैं। चूंकि घरेलू ऋण सकल घरेलू उत्पाद का 42 फीसद है और घरेलू बचत केवल 5-6 फीसद है, इसलिए काकरोच को परिवार से बहुत कम नकद सहायता मिल पाती है और वे नकदी की कमी से जूझते हैं।

विकसित भारत के अरबपति

विकसित भारत में काकरोच अरबपति बनने की उम्मीद लगाए बैठे थे। मगर भाजपा के 12 साल के शासन के बावजूद अरबपतियों की संख्या बेहद धीमी गति से बढ़ रही है। नवीनतम आंकड़ा 205 है, और 25 करोड़ काकरोच अरबपति बनने की कतार में खड़े हैं। वे वर्ष 2014 में किए गए 'अच्छे दिन आएंगे' के वादे और 15 लाख रुपए का इंतजार भी कर रहे हैं।

उम्मीदों पर पानी फेर दिया

काकरोचों ने 'काकरोचों के आर्थिक सलाहकार' (सी-ईए) से संपर्क किया। उनकी सलाह निराशाजनक थी: 'वित्त वर्ष 2027 में व्यापार घाटा और चालू खाता घाटा दोनों ही काफी बढ़ जाएंगे। मुद्रास्फीति का खतरा बढ़ रहा है। आपूर्ति में पहले से मौजूद जटिल संकट में अब सामान्य से कमजोर मानसून के अनुमान से कृषि संबंधी समस्या भी जुड़ गई है।

विश्वसनीय कर नीति, नियामक पूर्वानुमान और निवेशकों के लिए बाधाओं को कम करके स्थिर दीर्घकालिक पूंजी आकर्षित करने का काम इन परिस्थितियों में और भी ज्यादा कठिन हो जाता है'।

यानी तबाही की भविष्यवाणी की जा चुकी है

काकरोच शायद यह निर्णय लें कि इस विनाश को रोकने का एकमात्र उपाय मुख्य चुनाव आयुक्त की सहायता से इंसानों से काकरोचों को शांतिपूर्ण तरीके से सत्ता का हस्तांतरण करा दिया जाए।

वे दिन भी क्या दिन थे जब मैडम दिल्ली को ललकारती रहती थीं और हमारे जैसे दर्शक भी कहते थे कि क्या बात है, मैडम योद्धा हैं! मगर बंगाल हार के बाद वे फिर सड़क पर निकलीं, तो वे दृश्य नहीं दिखे, जब हजारों लोग उनके पीछे-पीछे चलते दिखते थे। फिर एक चैनल पर एक 'सेफोलॉजिस्ट' ने कहा कि 2034 तक भाजपा कहीं नहीं जा रही।

दिल्ली में जमीन की नहीं, उसके इस्तेमाल की कहानी ज्यादा दिलचस्प है

> फिलहाल प्रधानमंत्री के कहने पर सिर्फ दिखावा कर रहे हैं उनके मुख्यमंत्री और मंत्री। कभी किसी मुख्यमंत्री की पत्नी साइकिल पर सवार होकर निकलती है टीवी पत्रकारों के सामने, तो कभी कोई मुख्यमंत्री स्कूटर पर सवार होकर निकलते हैं पत्रकारों को दिखाने के लिए।जिमखाना क्लब को बंद करने की कोशिश ने एक ऐसा पिटारा खोल दिया है, जिसमें से निकल रहे हैं कई अहम सवाल। जिनको अभी तक इस विवाद के बारे में पूरी जानकारी नहीं है, उनके लिए संक्षेप में पहले बता दूं कि मुद्दा क्या है।

तवलीन सिंह

नरेंद्र मोदी जब से प्रधानमंत्री बनकर लुटियंस दिल्ली में रहने लगे हैं, उन्होंने दिल लगाकर कोशिश की इस संभ्रांत रिहायशी इलाके की शक्ल बदलने की। इस प्रयास में उन्होंने नया संसद भवन बनाया है रायसीना पहाड़ी पर, और जो सरकारी दफ्तर बने थे अंग्रेजों के जमाने में, उनको खाली कर नए आधुनिक भवनों में भेज दिया है। इंडिया गेट से राष्ट्रपति भवन की ओर जो सड़क जाती है, उसका नाम राजपथ से बदलकर कर्तव्यपथ रखा है और अपने नए कार्यालय को 'सेवा तीर्थ' का नाम दिया है। कुछ वर्ष पहले जब जिमखाना क्लब की कार्यसमिति में उन्होंने कुछ सरकारी अफसर नियुक्त किए थे, तो ऐसा लगा था इस क्लब के सदस्यों को कि यह पहला कदम है उस सरकारी जमीन को वापस लेने के लिए, जिस पर यह क्लब बना था 113 साल पहले। ऐसा ही हुआ पिछले सप्ताह, जब क्लब को सूचना भेजी गई कि जून के पहले सप्ताह तक क्लब सरकार को जमीन वापस करे, जिसके लिए सालाना सिर्फ हजार रुपए का किराया सरकार को मिलता रहा है।

क्लब ने इस सूचना को अदालत में चुनौती दी है और ऐसा हो सकता है कि उसको थोड़ी-बहुत मोहलत मिल जाए, लेकिन दिल्ली में अफवाहें अब यह भी उड़ रही हैं कि सरकार का इरादा है प्रधानमंत्री आवास के पास रेसकोर्स और पोलो ग्राउंड की जमीन भी वापस लेने का।

यहां याद दिलाना चाहती हूं कि लुटियंस दिल्ली की सारी जमीन सरकारी है, जो लोगों को सौ साल या 99 साल की लीज पर दी गई है। तो अगर इस एक क्लब की जमीन सरकार वापस लेने को तैयार है, इस आधार पर कि सार्वजनिक जमीन का निजी इस्तेमाल नहीं होना चाहिए, तो क्यों नहीं पूछते हैं हम कि इस आधार पर सरकारी अशोक होटल और सम्राट होटल भी बंद किए जाएं? ये भी तो प्रधानमंत्री के आवास के कुछ ज्यादा नजदीक हैं और उनकी ऊंची छतों से कोई प्रधानमंत्री के आवास पर हमला करना चाहे, तो जिमखाना क्लब से कहीं ज्यादा आसान है। प्रधानमंत्री आवास के पीछे कई कोठियां हैं, जिनमें मंत्री और सांसद रहते हैं और जिमखाना क्लब के सामने है इंदिरा गांधी का पुराना घर, जो उनके बेटे ने स्मारक बना दिया था और खुद उस घर में रहने लगे, जो आज प्रधानमंत्री आवास कहलाता है। देश के पहले प्रधानमंत्री रहा करते थे तीनमूर्ति भवन में, जिसको उनकी बेटी ने स्मारक बना दिया था अपने पिता की याद में।

सच तो यह है कि इस पहले घर को स्मारक न बनाया होता, तो प्रधानमंत्री का स्थायी और सुरक्षित आवास आज भी होता। स्मारक और समाधियां इतनी हैं दिल्ली में कि कई लोग दिल्ली को मुर्दों का शहर कहते हैं मजाक में, लेकिन जिस तरह सरकारी जमीन का फिजूल इस्तेमाल हो रहा है देश की राजधानी में, वह मजाक नहीं, गंभीर मसला है। मंत्रियों और सांसदों को हमने बसाया है ऐसी कोठियों में, जिनकी कीमत बाजार में कम से कम पांच सौ करोड़ रुपए है। ऊपर से यह भी ध्यान में रखिए कि राष्ट्रपति भवन के बाग-बगीचे 300 एकड़ जमीन पर हैं। क्या राष्ट्रपति की सुरक्षा के लिए 300 एकड़ जरूरी हैं? सवाल और भी निकल रहे हैं उस पिटारे से। मंत्रियों को अगर इस देश की गरीब जनता के पैसों से बसाना ठीक समझती है भारत सरकार, तो क्यों नहीं इनको राष्ट्रपति भवन की 300 एकड़ जमीन पर कोठियां बनाकर बसाया जाए? रही बात सांसदों की, तो उनके लिए कई सरकारी होटल हैं संसद के आसपास, जिनमें इतने कम ग्राहक आते हैं कि आधे खाली रहते हैं साल भर।

इनमें सांसदों के लिए जगह बन सकती है उन महीनों के लिए जब संसद का सत्र चल रहा होता है। उनको क्यों बड़ी-बड़ी कोठियों की जरूरत है? अब बात करते हैं प्रधानमंत्री की सुरक्षा की। इसमें कोई संदेह नहीं है कि प्रधानमंत्री आवास स्थायी और सुरक्षित होना चाहिए। न कि ऐसा घर, जिसको जब किसी के मन में आए स्मारक बना दिया जाए। विनम्रता से प्रधानमंत्री को सुझाव देना चाहती हूं कि जब तक उनकी नई कोठी तैयार नहीं होती है इंडिया गेट के पास, वे क्यों नहीं तीनमूर्ति भवन में रहना शुरू करें, नेहरू स्मारक को कहीं और बनवाकर। तीनमूर्ति भवन शानदार भी है और सुरक्षित भी। युद्ध के इस दौर में जब प्रधानमंत्री ने गरीबों को खर्चा कम करने के लिए कहा है, तो क्यों नहीं अपनी सरकार को ऐसा करने का आदेश देते हैं? जितनी फिजूलखर्ची हम करते हैं मंत्रियों के काफिलों और कोठियों पर, इसको बंद करना क्या 'देशभक्ति' नहीं होगी मुसीबत के इस दौर में? लुटियंस दिल्ली की जमीन भारत में सबसे महंगी मानी जाती है, तो क्यों नहीं इसका व्यावसायिक इस्तेमाल हो? इस तरह की शुरुआत अगर दिल्ली में होगी, तो राज्यों में भी होने लगेगी और खूब पैसा बचेगा देश का। फिलहाल प्रधानमंत्री के कहने पर सिर्फ दिखावा कर रहे हैं उनके मुख्यमंत्री और मंत्री। कभी किसी मुख्यमंत्री की पत्नी साइकिल पर सवार होकर निकलती है टीवी पत्रकारों के सामने, तो कभी कोई मुख्यमंत्री स्कूटर पर सवार होकर निकलते हैं पत्रकारों को दिखाने के लिए। जब आर्थिक संकट पूरे देश में आया है, तो इस तरह के तमाशे बंद होने चाहिए और सरकारी अफसरों और राजनेताओं को दिल लगाकर देश का पैसा बचाने की कोशिश करनी चाहिए। यही होगी असली देशभक्ति। कहा था न मैंने कि जिमखाना क्लब बंद होने से खुल गया है सवालों का बहुत बड़ा पिटारा। राजधानी दिल्ली के जिमखाना क्लब का अभिप्राय क्या है? इस प्रश्न का जन्म उस विवाद के गर्भ से हुआ है, जो केंद्र सरकार द्वारा जमीन खाली करने के आदेश से उपजा है। इसका निर्माण 1913 में अंग्रेजों ने किया था।

नॉर्वे चेस 2026: गुकेश और दिव्या हारे

नॉर्वे चेस 2026: कार्लसन ने दर्ज की बड़ी जीत

ओस्लो । नॉर्वे चेस 2026 के छठे राउंड में कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। पुरुष और महिला दोनों वर्गों में खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर रही, जिससे खिताब की दौड़ और दिलचस्प हो गई है। पुरुष वर्ग में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने टूर्नामेंट लीडर अलीरेजा फिरोजा को हराकर बड़ी जीत दर्ज की। सफेद मोहरों से खेलते हुए कार्लसन ने पूरे मुकाबले में दबाव बनाए रखा और बाद के चरण में अपनी बढ़त का फायदा उठाकर जीत हासिल की। यह फिरोजा की टूर्नामेंट में पहली क्लासिकल हार रही। एक अन्य मुकाबले में वेस्ली सो ने भारत के युवा ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानंदा को हराया। लंबा चला यह मुकाबला काफी संघर्षपूर्ण रहा, लेकिन एंडगेम में वेस्ली ने बेहतर खेल दिखाते हुए पूरे तीन अंक हासिल किए। इस जीत के साथ वह अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गए हैं।

वहीं, मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश को जर्मनी के विंसेंट कीमर के हाथों हार का सामना करना पड़ा। कीमर इस मुकाबले में गुकेश पर शुरुआत से ही हावी रहे और वह अपने दमदार खेल को अंत तक बरकरार रखने में सफल रहे। विंसेंट ने गुकेश को वापसी करने का मौका नहीं दिया और शानदार जीत दर्ज की।

छठे राउंड के बाद वेस्ली सो पहले स्थान पर हैं, जबकि अलीरेजा फिरोजा उनके करीब बने हुए हैं। मैग्नस कार्लसन की जीत से खिताब की दौड़ और रोमांचक हो गई है। महिला वर्ग में मौजूदा विश्व चैंपियन वेनजुन ने भारत की दिव्या देशमुख को हराकर दिन की एकमात्र क्लासिकल जीत दर्ज की। जू वेनजुन ने धैर्य के साथ खेलते हुए एंडगेम में बढ़त हासिल की और मुकाबला अपने नाम किया। दूसरी ओर, बिबिसारा असौबायेवा ने आर्मागेडन मुकाबले में जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक हासिल किए और महिला वर्ग में फिर से शीर्ष स्थान पर पहुंच गईं। छह राउंड के बाद असौबायेवा 9.5 अंकों के साथ पहले स्थान पर हैं, जबकि दिव्या देशमुख 8.5 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर बनी हुई हैं।

एना मुजिचुक और झू जिनर के बीच खेला गया मैच काफी बराबरी का रहा। दोनों खिलाड़ियों ने अच्छा खेल दिखाया और कोई भी बढ़त नहीं बना सका, इसलिए क्लासिकल गेम ड्रॉ पर खत्म हुआ। इसके

बाद आर्मागेडन गेम खेला गया, जिसमें झू जिनर ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए शानदार जीत हासिल की। जीत हासिल की। इस जीत से उन्हें अतिरिक्त अंक मिले।

आईपीएल 2026 वैभव बने मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर

किसे मिला कौन-सा अवॉर्ड?

अहमदाबाद। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आईपीएल 2026 का 'मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर' चुना गया है। इसके साथ ही उन्हें इस सीजन में 776 रन बनाने के लिए 'ऑरेंज कैप' भी मिली। आईपीएल 2026 की समाप्ति के बाद 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' वैभव ने कहा, 'मुझे अच्छा लग रहा है, लेकिन इंटरव्यू देना पड़ रहा है, इसलिए थोड़ा दबाव महसूस हो रहा है। आप प्रत्येक मैच एक ही तरीके से नहीं खेल सकते। अगर मुझे चोट से बचना है, तो मुझे अपनी फिटनेस पर काम करना होगा। हर कोई बहुत मददगार है। सभी सीनियर खिलाड़ी, सपोर्ट स्टाफ, हर कोई मेरा साथ देता है और यहां का माहौल बहुत अच्छा है।'

एक ओर वैभव ने 'ऑरेंज कैप' हासिल की, जबकि दूसरी तरफ कगिसो रबाडा ने इस सीजन में 29 विकेट लेने के लिए 'पर्पल कैप' अपने नाम की।

पंजाब किंग्स को 'फेयरप्ले अवॉर्ड' मिला। मनीष पांडे को 'कैच ऑफ द सीजन' का अवॉर्ड मिला, जिन्होंने बैकवर्ड प्वाइंट पर एक शानदार कैच लेकर टिम डेविड को आउट किया था। मोहम्मद सिराज को इस सीजन में सर्वाधिक 'डॉट बॉल' (172) फेंकने के लिए अवॉर्ड मिला।

साई सुदर्शन को इस सीजन में सर्वाधिक 'चौके' (75) लगाने के लिए अवॉर्ड मिला। वैभव सूर्यवंशी को 'इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन', 'सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन' (237.3) और 'सुपर सिक्सेस ऑफ द सीजन' (72) के अवॉर्ड मिले।

आईपीएल 2026 का फाइनल मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया, जिसमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 5 विकेट से जीत हासिल की। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात टाइटंस ने 8 विकेट खोकर 155 रन बनाए। इस टीम के लिए वॉशिंगटन सुंदर ने 50 रन की नाबाद पारी खेली।

कोहली की क्लास, भुवनेश्वर का चला जादू

आरसीबी को चैंपियन बनाने में इन 5 खिलाड़ियों ने निभाई अहम भूमिका

नई दिल्ली । रजत पाटीदार की कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने वो कर दिखाया, जो आईपीएल के इतिहास में सिर्फ चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस की टीम ही कर सकी हैं। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में आरसीबी ने गुजरात टाइटंस को फाइनल में 5 विकेट से हराते हुए लगातार दूसरी बार आईपीएल की ट्रॉफी को अपने नाम किया। आइए आपको उन 5 खिलाड़ियों के नाम बताते हैं, जिनके बूते खिताब का बचाव करने में सफल रही आरसीबी।

कोहली की विराट पारी

आरसीबी के लिए विराट कोहली कितने मायने रखते हैं, यह बात वह हर सीजन अपने प्रदर्शन से साबित करके दिखाते हैं। आईपीएल 2026 में भी कोहली का बल्ला खूब गरजा, और वह टीम की ओर से सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। 37 वर्षीय विराट ने 16 मुकाबलों में 165 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 675 रन बनाए। वहीं, फाइनल मैच में भी उन्होंने 42 गेंदों में 75 रनों की नाबाद पारी खेली।

रजत पाटीदार

कप्तानी के साथ-साथ रजत पाटीदार ने आरसीबी के लिए बल्ले से भी अहम योगदान दिया। पहले क्वालीफायर मुकाबले में मुश्किल में फंसी नजर आ रही आरसीबी टीम की नैया को पार लगाने वाले बल्लेबाज कप्तान रजत ही रहे, जिन्होंने महज 33 गेंदों में 93 रनों की आतिशी पारी खेली। रजत हर मुश्किल समय में विपक्षी टीम के सामने चट्टान की तरह खड़े रहे।

भुवनेश्वर कुमार

आरसीबी को लगातार दूसरी बार चैंपियन बनाने में भुवनेश्वर कुमार का रोल काफी अहम रहा। भुवनेश्वर ने न सिर्फ पावरप्ले में टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई, बल्कि अंत के ओवरों में भी अहम मौकों पर विकेट चटकाए। उन्होंने इस सीजन में खेले 16 मुकाबलों में 28 विकेट अपने नाम किए।

रसिख सलाम

जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार के प्रदर्शन के आगे भले ही रसिख सलाम का योगदान पीछे छुप गया, लेकिन 26 वर्षीय इस युवा तेज गेंदबाज ने अपनी गेंदबाजी से आईपीएल 2026 में खासा प्रभावित किया। रसिख ने इस सीजन 19 विकेट निकाले और उनका सबसे बेहतरीन प्रदर्शन फाइनल मैच में ही आया। खिताबी मुकाबले में रसिख ने 4 ओवर में सिर्फ 27 रन देकर 3 विकेट निकाले।

देवदत्त पडिक्कल

आरसीबी का यह बल्लेबाज इस सीजन विराट कोहली के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चला। पडिक्कल ने 16 मुकाबलों में 168 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 464 रन बनाए। उन्होंने इस सीजन तीन अर्धशतक लगाए। नंबर तीन की पोजीशन पर पडिक्कल का प्रदर्शन दमदार रहा और उन्होंने आरसीबी के मध्यक्रम पर दबाव नहीं आने दिया।

180-190 का स्कोर अच्छा रहता, आरसीबी से फाइनल हारने के बाद बोले जीटी कप्तान शुभमन गिल

अहमदाबाद। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2026 का खिताब जीत लिया है। रविवार को हुए फाइनल मुकाबले में आरसीबी ने गुजरात टाइटंस (जीटी) को 5 विकेट से हराकर खिताब जीता। आरसीबी का यह लगातार दूसरा खिताब है। वहीं, कप्तान के रूप में अपना पहला आईपीएल खिताब जीतने और जीटी को दूसरा खिताब दिलाने की कोशिश में लगे गिल को निराशा हाथ लगी है। मैच के बाद जीटी के कप्तान गिल ने कहा, 'अगर हम 180-190 के आस-पास पहुंच जाते, तो यह एक अच्छा मैच होता। पहले तीन-चार ओवरों में तेज गेंदबाजों को थोड़ी मदद मिलती है, और शुरुआती कुछ विकेट गिरने के बाद हमारी लय टूट गई। हमने पावरप्ले में 15-20 रन ज्यादा दे दिए। मुझे लगता है कि हम इस टूर्नामेंट की सबसे बेहतरीन गेंदबाजी टीमों में से एक थे। शुरुआती कुछ मैच हारने के बाद हमने जबरदस्त वापसी की। मैं बहुत खुश हूं। हम जीत की मंजिल तक नहीं पहुंच पाए, लेकिन अगर हम ट्रॉफी जीत भी जाते, तब भी सुधार की गुंजाइश हमेशा बनी रहती।'

शुभमन गिल का बल्ला फाइनल में नहीं चला, लेकिन टूर्नामेंट में वह अपनी टीम के लिए बेहतरीन रहे। फाइनल में 10 रन बनाकर आउट हुए गिल ने टूर्नामेंट के 16 मैचों की 16 पारियों में 732 रन बनाकर वैभव सूर्यवंशी के बाद दूसरे स्थान पर रहे। गिल ने दूसरे क्वालीफायर में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शतक लगाकर जीटी को फाइनल में पहुंचाया था। 2022 में खिताब जीतने वाली जीटी अपना तीसरा फाइनल खेल रही थी। आईपीएल 2026 के फाइनल पर नजर डालें तो टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी जीटी ने 8 विकेट पर 155 रन बनाए।

यादगार छक्के से बनाया आरसीबी को चैंपियन

फाइनल में विराट कोहली ने लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी

अहमदाबाद । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2026 के खिताब को अपने नाम किया। आरसीबी ने फाइनल मुकाबले में गुजरात टाइटंस (जीटी) को 5 विकेट से हराया। फाइनल मैच में आरसीबी की जीत के नायक विराट कोहली रहे। कोहली ने 42 गेंदों में नाबाद 75 रनों की दमदार पारी खेली और टीम को लगातार दूसरी बार चैंपियन बनाने में अहम किरदार निभाया। कोहली ने इस पारी के दौरान कई बड़े रिकॉर्ड्स भी अपने नाम किए।

विराट कोहली ने अपने आईपीएल करियर का सबसे तेज अर्धशतक गुजरात टाइटंस के खिलाफ फाइनल मुकाबले में लगाया। कोहली ने अपना अर्धशतक सिर्फ 25 गेंदों में पूरा किया। यह आईपीएल के फाइनल मुकाबले में संयुक्त रूप से दूसरा सबसे तेज अर्धशतक भी रहा। कोहली ने 75 रनों की नाबाद पारी में 9 चौके और 3 छक्के लगाए। विराट का प्रदर्शन इस पूरे सीजन शानदार रहा और वह आरसीबी की तरफ से

आईपीएल 2026 में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। कोहली ने इस सीजन 16 मुकाबलों में 165 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 675 रन बनाए।

कोहली लगातार चार सीजन में 600 से अधिक रन बनाने वाले आईपीएल इतिहास के पहले बल्लेबाज बने। विराट को उनके दमदार प्रदर्शन के लिए 'मैन ऑफ द मैच' भी चुना गया। विराट ने आईपीएल फाइनल में मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने।

उन्होंने यह अवॉर्ड 37 साल 207 दिन की उम्र में जीता।

विराट कोहली ने आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा के खिलाफ कुल 82 रन बनाए, जो आईपीएल के एक सीजन में किसी भी बल्लेबाज द्वारा किसी गेंदबाज के खिलाफ बनाए गए सर्वाधिक रन हैं।

आरसीबी के चैंपियन बनने पर बोले क्रुणाल

11 साल में 5 ट्रॉफी जीतना मेरे लिए बहुत खास है

अहमदाबाद। रजत पाटीदार की कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2026 के खिताब को अपने नाम किया। आरसीबी ने फाइनल मुकाबले में गुजरात टाइटंस को 5 विकेट से हराया। क्रुणाल पांड्या ने आरसीबी के आईपीएल खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने का श्रेय वर्षों के सब्र और प्लानिंग को दिया। क्रुणाल ने अपने करियर में पांचवीं बार आईपीएल ट्रॉफी जीतने पर भी खुशी जाहिर की और इसे बड़ी उपलब्धि बताया। पिछले दो सीजन में आरसीबी के लिए बल्ले और गेंद से अहम भूमिका निभाने वाले क्रुणाल ने माना कि हर चैंपियनशिप उनके करियर में एक खास जगह रखती है और उनकी तुलना करना लगभग नामुमकिन है। जीत के बाद क्रुणाल ने कहा, 'हर आईपीएल ट्रॉफी खास होती है। इसमें कोई शक नहीं है। यह बच्चों के होने जैसा है, है ना? आप चुन नहीं सकते। आईपीएल ट्रॉफी के साथ भी ऐसा ही है क्योंकि सब कुछ बहुत मेहनत से कमाया जाता है।' अनुभवी ऑलराउंडर ने 11 सीजन में पांचवीं बार आईपीएल ट्रॉफी उठाने के बाद अपनी व्यक्तिगत उपलब्धि पर बात करते हुए कहा, 'मैं बहुत खुश और शुक्रगुजार हूं कि 11 सालों में पांच ट्रॉफी जीत पाया; यह मेरे लिए बहुत खास है।' क्रुणाल ने कहा कि टीम की लगातार सफलता का बड़ा श्रेय फ्रेंचाइजी के मैनेजमेंट और कोचिंग स्टाफ को जाता है। उन्होंने बताया कि मो बोबट, एंडी फ्लावर, दिनेश कार्तिक, मालोलन रंगराजन और ओमकार साल्वी ने टीम को मजबूत बनाने के लिए बहुत मेहनत की।

उन्होंने कहा कि पिछले साल ऑक्शन से पहले ही पूरी तैयारी कर ली गई थी और खिलाड़ियों का चयन सोच-समझकर किया गया था।

ढोल की थाप पर नाचे कोहली और क्रुणाल

अहमदाबाद। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2026 के खिताब पर कब्जा जमाया। नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में आरसीबी ने गुजरात टाइटंस (जीटी) को 5 विकेट से हराया। खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने के बाद आरसीबी के ड्रेसिंग रूम में जमकर जश्न मना। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु द्वारा अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर शेयर किए गए वीडियो में क्रुणाल पांड्या और विराट कोहली ढोल की धुन पर जमकर नाचते हुए दिखाई दिए। इस दौरान क्रुणाल के हाथ में आईपीएल की ट्रॉफी भी मौजूद रही।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेल: alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670